आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ठ 12 मूल्य: 2 ₹
डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23
यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6
www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

सीबीआई भाजपा के 'पिंजरे का बना तोता'

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 37 ● नई दिल्ली ● 15 से 21 सितम्बर 2024

|| सनत जैन ||

भारत की शीर्ष जांच एजेंसी, सीबीआई पर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। सीबीआई की जांच में निष्पक्षता और उसके तौर-तरीके को लेकर शुरूआती दौर पर सीबीआई के ऊपर सभी को बहुत भरोसा था। पिछले 2 दशकों में यह भरोसा पूरी तरह से टूटता हुआ दिख रहा है।

सीबीआई की निष्पक्षता पर कई बार सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में आलोचना की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में सीबीआई को 'पिंजरे का तोता' कहा था। 2014 से केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने एक बार फिर सीबीआई जैसी महत्वपूर्ण संस्था के ऊपर पिंजरे में बंद तोते के रूप में टिप्पणी की है। यह टिप्पणी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ऊपर जिस तरह से सीबीआई ने पिछले दो वर्षों से अपना शिकंजा कसकर रखा हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जैसे ही ईडी के मामले में अरविंद केजरीवाल की जमानत हुई। उसी मामले में 2 साल के बाद सीबीआई ने जेल के अंदर से केजरीवाल की गिरफ्तारी कर ली। सुप्रीम कोर्ट को इस कारण से सीबीआई के ऊपर सबसे सख्त टिप्पणी करनी पड़ी। 2013 में कोयला घोटाले की जांच में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पिंजरे का तोता कहा था।

अब केजरीवाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वही टिप्पणी की है। सीबीआई अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करती है। सीबीआई की कार्य प्रणाली से यह खुलासा, जांच एजेंसी की स्टेटस रिपोर्ट को, सरकार की मंजूरी के बाद किया गया। यह एक गंभीर

शेष पृष्ठ 2 पर

सीताराम येचुरी का 72 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनका इलाज दिल्ली के एम्स में चल रहा था, जहां वे एक्यूट रेस्पिरेटर ट्रैक्ट इन्फेक्शन से पीड़ित थे। 19 अगस्त को तेज बुखार की शिकायत के बाद उन्हें एम्स के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया था। हाल ही में, उन्हें निमोनिया के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था और सीपीआई (एम) ने पुष्टि की थी कि उनकी हालत गंभीर नहीं थी। सीताराम येचुरी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव थे और 1992 से पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य भी रहे। इसके अलावा, वे 2005 से 2017 तक पश्चिम बंगाल से राज्यसभा के सांसद भी रहे। उनका जन्म 12 अगस्त 1952 को मद्रास (चेन्नई) में तेलुगु भाषी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता सर्वेश्वर सोमयाजुला येचुरी आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में इंजीनियर थे और मां कल्पकम येचुरी एक सरकारी अधिकारी थीं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा हैदराबाद के ऑल सेंट्स हाई स्कूल से प्राप्त की और बाद में प्रेसिडेंट्स एस्टेट स्कूल, नई दिल्ली में दाखिला लिया। इमरजेंसी के दौरान जे.एन.यू में छात्र रहते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया था। सीताराम येचुरी की राजनीतिक यात्रा और उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

केजरीवाल को सख्त शर्तों के साथ जमानत

|| विजयशंकर चतुर्वेदी ||

हरियाणा चुनाव से ठीक पहले अरविंद केजरीवाल को बेल मिलने से पार्टी का हौसला सातवें आसमान पर है। पार्टी के लिए अरविंद केजरीवाल हरियाणा में प्रचार की कमान संभालेंगे। मुख्यमंत्री आवास के बाहर केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं नेताओं और कार्यकताओं के साथ मिठाई बांटी। वहीं, आप समर्थकों ने आ गए भाई आ गए केजरीवाल आ गए और जेल के ताले टूट गए केजरीवाल छूट गए जैसे नारे लगाए। आप के वरिष्ठ मनीष सिसोदिया, आतिशी, संजय सिंह और उनकी पत्नी अनीता भी इस अवसर पर मौजूद रहीं।

तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद अरविंद केजरीवाल ने वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए। इसके बाद तिहाड़ जेल के बाहर से लोगों को संबोधित करते हुए लाखों करोड़ों लोगों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे में लोगों ने मन्नतें मांगी और दुआएं की। केजरीवाल ने कहा कि मेरे जिंदगी का एक एक कण और शरीर का एक-एक कतरा देश के लिए समर्पित है। मैंने जिंदगी में बहुत संघर्ष किया है। बहुत मुसीबतें झेली हैं। लेकिन हर कदम पर भगवान ने मेरा साथ दिया है। ऊपर वाले ने मेरा साथ दिया क्योंकि मैं सच्चा था। इसलिए भगवान ने मेरा साथ दिया। इन लोगों ने मुझे जेल में डाल दिया। इन लोगों को लगा कि केजरीवाल को जेल में डालने से हौसले टूट जाएंगे। आज मैं कहना चाहता हूं कि जेल से बाहर आकर हौसला 100 गुणा बढ़ गया।

जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद अरविंद

शेष पृष्ठ 2 पर

ममता इस्तीफा देने को तैयार!

|| विनीता यादव ||

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि वह लोगों की खातिर इस्तीफा देने को तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं लोगों की खातिर इस्तीफा देने को तैयार हूं। आरजी कर अस्पताल की डॉक्टर की हत्या मामले में मैं भी न्याय चाहती हूं।

उन्होंने कहा, मैं बंगाल के लोगों से माफी मांगती हूं, जिन्हें उम्मीद थी कि आरजी कर मामले में गतिरोध खत्म हो जाएगा। इससे पहले हड़ताली डॉक्टरों ने बैठक की लाइव स्ट्रीमिंग करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग करने से इनकार कर दिया।

दो दिन पहले हड़ताली डॉक्टरों ने मुख्य सचिव से बात करने से इनकार करते हुए मुख्यमंत्री से बातचीत करने की मांग की थी। उस दिन भी मुख्यमंत्री राज्य सचिवालय में मुख्य सचिव के साथ करीब ढाई घंटे तक इंतजार करती रह गई थीं लेकिन डॉक्टरों ने मुख्य सचिव के मेल का जवाब तक नहीं दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने जूनियर डॉक्टरों से मिलने के लिए आज भी दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन वे बैठक स्थल पर नहीं आए। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि आरजी कर मामले में गतिरोध को समाप्त करने के लिए उन्होंने जूनियर डॉक्टरों से बातचीत करने की तीन बार कोशिश की। सीएम ने कहा, हमारे पास जूनियर डॉक्टरों के साथ बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था थी, हम उच्चतम न्यायालय की अनुमति से इसे उनके साथ साझा कर सकते थे लेकिन चूंकि आरजी कर मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए जूनियर डॉक्टरों की मांग के अनुसार उनके साथ बैठक का सीधा प्रसारण नहीं किया जा सकता है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साफ शब्दों में कहा कि वह आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, उन्हें माफ कर दूंगी क्योंकि हम बड़े हैं। मुख्यमंत्री ने ये भी बताया कि जूनियर डॉक्टरों के 'काम बंद' करने से 27 लोगों की मौत हुई है और राज्यभर में सात लाख मरीज परेशान हुए हैं।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ आरोपों की झड़ी लगा दी और चीन के साथ भारत की सीमा स्थिति को ठीक से नहीं संभालने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। हालांकि, राहुल गांधी ने संकेत दिया कि प्रमुख नीतिगत मुद्दों पर कांग्रेस मोदी सरकार के साथ है। गांधी वाशिंगटन डीसी में नेशनल प्रेस क्लब में मीडिया से बातचीत को संबोधित कर रहे थे, जब उन्होंने दावा किया कि चीनी सैनिकों ने लद्दाख में दिल्ली के आकार के भारतीय क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया है। हमने चीनी सैनिकों को लद्दाख में दिल्ली जितनी जमीन पर कब्जा कर लिया है और मुझे लगता है कि यह एक आपदा है। मीडिया इसके बारे में लिखना पसंद नहीं करता है।

राहुल ने कहा कि अगर किसी पड़ोसी ने उसके क्षेत्र के 4,000 वर्ग किमी पर कब्जा कर लिया तो अमेरिका कैसे प्रतिक्रिया

शेष पृष्ठ 2 पर

संपादकीय

हरियाणा चुनावी मुद्दों से मिल रहे हैं सत्ता-विरोधी संकेत

हरियाणा विधानसभा चुनाव के मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, राजनीतिक दलों में उठापटक हो रही है, दलबदल का सिलसिला जारी है, गठबंधन टूट रहे हैं जो नये जुड़ रहे हैं। प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने को आतुर भाजपा के सामने इस बार चुनौतियां कम नहीं हैं, वही कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से अति-उत्साहित दिखाई दे रही है, आम आदमी पार्टी भी सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने में जुटी है। हरियाणा में तू डाल-डाल, मैं पात-पात की कशमकश जोरों से चल रही है। विनेश और बजरंग पहलवान को शामिल करके कांग्रेस खुशियां मना रही थी, लेकिन 'आप' से हो रहा समझौता टूटते ही कांग्रेस की खुशियां कुछ हद तक फीकी दिखाई देने लगीं। फिर भी भूपिंदर सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस हरियाणा में अपनी बहुमत की सरकार बनाने का दावा कर रही है। भाजपा भी यहां अपनी सरकार बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इस बार हरियाणा के चुनावों पर समूचे देश की नजरे लगी है।

हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए विपक्षी इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी है। आप ने प्रत्याशियों की दो-दो सूची जारी कर दी है, सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान भी कर दिया है। फिर भी दोनों दलों में कुछ लोग हैं, जो अभी गठबंधन की उम्मीद छोड़ने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि यही गठबंधन कांग्रेस की जीत का बड़ा कारण माना जा रहा है। इस गठबंधन के टूटने से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक छंटते हुए दिखाई दे रहे हैं। लेकिन भाजपा की जीत अभी भी निश्चित नहीं मानी जा रही है। भले ही 'आप' को दूर रखकर हरियाणा कांग्रेस की राज्य इकाई खुश हो रही हो, लेकिन इसका फायदा भाजपा को ही होने वाला है क्योंकि आप प्रत्याशियों को जहां भी, जितने भी वोट मिलने वाले हैं, वे जाएंगे कांग्रेस के खाते से ही। इस त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिलेगा।

हरियाणा कांग्रेस एवं उसके नेता प्रारंभ से ही स्वतंत्र चुनाव लड़ने के पक्ष में रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, दस वर्षों की सत्ता-विरोधी लहर के मद्देनजर भाजपा 2019 से कमजोर स्थिति में है, जब उसे 90 सीटों की विधानसभा में 40 सीटें ही मिल पाई थीं। हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनावों के नतीजे भी संकेत दे रहे हैं जहां पिछली बार की दसों सीटों की जगह उसे सिर्फ 5 सीटें मिलीं। आप को कांग्रेस के साथ गठबंधन में यहां एक लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने का मौका मिला था, लेकिन वह हार गई थी। इसी स्थिति को देखते हुए ही प्रदेश कांग्रेस आप के साथ गठबंधन को पूरी तरह गैर जरूरी मान रहा है। लेकिन कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व राजनीति गणित को देखते हुए आप के साथ गठबंधन को लेकर निरन्तर प्रयास करता रहा। यही कारण दोनों दल गठबंधन के लिए बातचीत की मेज पर बैठे। राहुल गांधी अब लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और उनकी प्राथमिकता यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के इंडिया गठबंधन की एकजुटता और उसकी मजबूती में किसी तरह की कमी न दिखे ताकि केंद्र सरकार और भाजपा पर उसका दबाव बना रहे।

हरियाणा में आप पार्टी कोई चमत्कार घटित करने की स्थिति में नहीं है। उसकी भूमिका सत्ता के गणित को प्रभावित करना मात्र है। कुछ सीटें उसके खाते में जा सकती है, जिसका रोल भविष्य की सत्ता की राजनीति में हो सकता है। अरविन्द केजरीवाल के जातीय गणित के कारण 'आप' पार्टी कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचा सकता है तो कुछ नुकसान भाजपा का भी कर सकती है। कम वोटों के अंतर से होने वाली जीत-हार में 'आप' पार्टी का असर साफ दिखने वाला है। देर से ही सही, हो सकता है कांग्रेस नेतृत्व को यह बात समझ में आ जाए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी होगी। हालांकि चुनाव परिणाम आने पर ही असल माजरा समझ आएगा, लेकिन यह तय है कि भाजपा को दस साल के राज के बावजूद कमजोर नहीं माना जा सकता।

लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटों में आई कमी के बाद विपक्ष को जो थोड़ी धार मिली है, उसका जो मनोबल बढ़ा था, उसके मद्देनजर ये चुनाव अहम माने जा रहे हैं। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र और झारखंड में भी चुनाव होने हैं। दिल्ली विधानसभा के चुनाव भी ज्यादा दूर नहीं हैं। ऐसे में हरियाणा विधानसभा चुनाव में अगर इंडिया गठबंधन साथ मिलकर मजबूती से लड़ता और अच्छी जीत दर्ज करा पाता तो उसका असर न केवल आने वाले विधानसभा चुनावों पर बल्कि पूरे विपक्ष के मनोबल पर पड़ने वाला था। इंडिया गठबंधन के कारण सबसे ज्यादा नुकसान भाजपा को ही झेलना पड़ता है। इसलिये इस गठबंधन की मजबूती ही भाजपा के लिये असली चुनौती है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों को याद करें तो इस पर लगभग आम राय है कि वहां कांग्रेस को प्रदेश नेतृत्व के अति आत्मविश्वास का नुकसान हुआ। असल सवाल विपक्षी वोटों के बंटवारे का है। जिस तरह से आप प्रत्याशियों की सूची जारी कर रही है, उससे साफ है कि वह इसी पहलू की ओर इशारा कर रही है कि उसे सीटें भले न आएं, कांग्रेस को कई सीटों का नुकसान तो हो ही सकता है।

भाजपा लम्बे समय से हरियाणा में कमजोर बनी हुई है, भले ही सरकार उसी की हो। अपनी लगातार होती कमजोर स्थितियों में सुधार लाने एवं प्रदेश में भाजपा को मजबूती देने के लिये ही लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मनोहर लाल के स्थान पर ओबीसी वर्ग के नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर सत्ता विरोधी कारकों को कम करने की कोशिश की थी, लेकिन भाजपा को उसका पूरा लाभ नहीं मिल सका। इसके मुख्य कारण सत्ता विरोधी वातावरण बना तो किसानों व बेरोजगारों की नाराजगी बड़ी चुनौती बनकर सामने आयी। भाजपा द्वारा पेश किए गए तीन विवादास्पद कृषि कानून हरियाणा में विवाद का मुख्य मुद्दा बने हुए है। राज्य के किसानों ने इन कानूनों का विरोध किया, उनका दावा है कि ये उनकी फसल की बिक्री और आय पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। केन्द्र की अग्निपथ योजना भी इन चुनावों में एक विवादास्पद मुद्दा बनी हुई है। इसने राज्य के युवाओं में चिंता पैदा कर दी है। आलोचकों का मानना है कि यह स्थायी भर्ती से दूर जाने का कदम है, जिससे सैनिकों के लिए रोजगार में अस्थिरता पैदा होती है। इन चुनावों में बेरोजगारी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, राज्य की बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में सरकारी नीतियों पर काफी बहस चल रही है, जिससे यह चुनावों में एक केंद्रीय मुद्दा बन गया है। पहलवानों से जुड़ा मामला और बृज भूषण शरण सिंह पर लगे आरोप भी हरियाणा चुनाव में अहम मुद्दा बन गए हैं। पहलवानों ने सिंह पर उन्हें न्याय और सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया है, जिससे हरियाणा में राजनीतिक परिदृश्य में एक नया आयाम जुड़ गया है। हरियाणा में पहलवानों की सबसे अधिक संख्या और कुश्ती में एक मजबूत परंपरा होने के बावजूद, समर्थन की कथित कमी पर चिंता है। खेलो इंडिया पहल में, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देना है, गुजरात को सबसे अधिक बजट आवंटित किया गया, जिससे हरियाणा के खेल समुदाय में असंतोष पैदा हुआ। यह मुद्दा राज्य में एथलीटों के लिए संसाधनों और समर्थन के वितरण में कथित असंतुलन को उजागर करता है। इन स्थितियों में विनेश और बजरंग पहलवान के कांग्रेस में शामिल होने का पार्टी को लाभ मिलेगा। हरियाणा चुनाव में उठाये जा रहे मुद्दों पर गौर करे तो ये संकेत भाजपा के लिये संकट का कारण बन रहे हैं। कुल मिलाकर इस बार हरियाणा के चुनावों में लड़ाई कई दलों के लिये आरपार की है।

पृष्ठ 1 का शेष

सीबीआई भाजपा के...

मुद्दा है, जिसने सीबीआई की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

सीबीआई का गठन एक स्वतंत्र जांच एजेंसी के रूप में हुआ था। जिसका उद्देश्य अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रभावी जांच कर कार्रवाई करना था। जैसे-जैसे समय बीतता गया, सीबीआई के अधिकारियों के ऊपर राजनीतिक प्रभाव बढ़ता गया। केंद्र में किसी भी दल की सरकार हो। सीबीआई का उपयोग सरकारें राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने अथवा बचाने के लिए किया जाने लगा।

पिछले दो दशकों में पूरी तरह से यह स्पष्ट हो गया है। प्रश्न उठता है, क्या सीबीआई अपनी वैधानिक भूमिका बनाए रखने में स्वतंत्र हैं? या सरकार के इशारे पर काम करने वाली राजनीतिक उपकरण का हिस्सा बन चुकी है?

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सीबीआई की स्वतंत्रता पर सरकार का शिकंजा है। सरकार के विपक्षियों का उत्पीड़न करने की सीबीआई जांच एजेंसी की भूमिका सामने आई है। लोकतंत्र की शासन व्यवस्था में, जांच एजेंसियों का निष्पक्ष होना, आवश्यक है। सभी जांच एजेंसियां कानून और न्याय के लिए रीढ़ के हड्डी की तरह होती हैं।

अगर जांच एजेंसियां राजनीतिक दवाब में काम करेंगी, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्यायिक प्रणाली पर विश्वास करना संभव नहीं होगा।

सीबीआई के अधिकारी कहते हैं, वह निष्पक्षता के साथ काम करने की कोशिश करते हैं। कई मामलों में सरकार की स्वीकृति के बिना कार्रवाई करना संभव नहीं होता है। शीर्ष अधिकारियों की नियुक्ति, पोस्टिंग और कार्यकाल केंद्र सरकार ही तय करती है। ऐसी स्थिति में सरकार को इग्नोर करना सीबीआई के वश की बात नहीं है। कुछ इसी तरह की स्थिति चुनाव आयोग की देखने को मिल रही है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की भी लगभग यही स्थिति है।

संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और जवाबदेही तय करने के लिए वर्तमान व्यवस्था को बदलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

संवैधानिक संस्थाओं और जांच एजेंसियों को सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग आयुक्त और सदस्यों की नियुक्ति पर एक फैसला दिया था। जिसमें सीजेआई, प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष की कमेटी को चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति करने का अधिकार दिया था। जिसे सरकार ने कानून बनाकर पलट दिया।

अब प्रधानमंत्री उनके द्वारा एक नियुक्त मंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति कर रहे हैं। इसके बाद भी सुप्रीम कोर्ट चुप है। वर्तमान चुनाव आयोग को लेकर 68 फीसदी जनता में यदि अविश्वास है, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे चिंता का विषय है। समय की मांग है, सीबीआई सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं अधिकार संपन्न बनाया जाए। सरकारों के ऊपर उनकी निर्भरता नहीं हो। इसके लिए जरूरी है, संवैधानिक संस्थाओं से राजनीतिक नियंत्रण पूरी तरह से समाप्त किया जाए।

संवैधानिक संस्थाओं को न्यायपालिका तथा संसद के प्रति जवाबदेह बनाया जाए। भारतीय संविधान में न्यायपालिका और संसद ही सर्वोच्च संस्थाएं हैं।

संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज उनके निर्णय, संवैधानिक प्रमुख की नियुक्ति इत्यादि को लेकर जिस तरह के सवाल सरकार पर उठ रहे हैं। न्यायपालिका की जिम्मेदारी है कि वह न्यायपालिका और संसद की सर्वोच्चता जो फिलहाल खत्म होती जा रही है, इसे फिर से बहाल करे। भाजपा के नेता और प्रवक्ता भविष्य में सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता नहीं कह पाएंगे। क्योंकि अब यह टैग केंद्र की मोदी सरकार के ऊपर भी चिपक गया है।

केजरीवाल को सख्त शर्तों के साथ जमानत

केजरीवाल ने कहा कि जेल की सलाखें केजरीवाल के हौसले को कमजोर नहीं कर सकती। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि आज तक ऊपर वाले ने मुझे रास्ता दिखाया। ऐसे ही भगवान रास्ता दिखाते रहे। मैं देश की सेवा करता रहूं। राष्ट्र विरोधी ताकतों के खिलाफ लड़ता रहा हूं आगे भी लड़ता रहूंगा।

शीर्ष अदालत ने लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए 10 मई को 21 दिन की अंतरिम जमानत दी थी। 21 मार्च को सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देते हुए कुछ सख्त शर्तें भी लगाई हैं। कोर्ट के आदेश के अनुसार, जमानत के बाद केजरीवाल न तो किसी फाइल पर दस्तखत कर पाएंगे और न ही अपने दफ्तर जा सकेंगे। साथ ही, उन्हें इस मामले में कोई भी सार्वजनिक बयान या टिप्पणी करने से रोक दिया गया है। इन शर्तों का पालन करना उनके जमानत का हिस्सा होगा।

काबिले गौर बात ये है कि इस समय भाजपा लोकसभा चुनाव में पिटने के बाद घायल शेर की तरह है । भाजपा अब अपने किसी भी राजनीतिक शत्रु को बख्सने के मूड में नहीं है ,फिर चाहे वे केजरीवाल हों,हेमंत सोरेन हों या ममता बनर्जी हो। भाजपा इन तीनों को मजबूरी में बर्दास्त कर रही है ,लेकिन उसे जैसे ही मौका मिलेगा वो इन तीनों को चित करने की कोशिश करेगी । इसके लिए साम, दाम,दंड और भेद का ही नहीं इससे भी हटकर दूसरे तरीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस समय विपक्ष में आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ही सबसे अधिक संदिग्ध नेता हैं। उन्होंने बार-बार भाजपा विरोधी अभियान को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से नुक्सान पहुंचाया है , ये भूल सुधारने के लिए अरविंद के पास अंतिम सुनहरा अवसर है कि वे हरियाणा ही नहीं बल्कि आने वाले दिनों में महाराष्ट्र, झारखण्ड, बिहार और फिर दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भी मिल जुलकर चुनाव लड़ें अन्यथा उनकी और उनकी पार्टी की भी दशा बसपा जैसी हो सकती है। केजरीवाल शातिर राजनेता है। पढ़े-लिखे हैं इसलिए उन्हें क्या करना है ये उन्हें बताया नहीं जा सकता। अब सारा खेल उनकी मति और सुमति का है।

दिल्ली जितनी जमीन पर चीन ने जमाया कब्जा

देगा? क्या क्या कोई राष्ट्रपति यह कहकर बच सकता है कि उसने इतने अच्छे से निपटा है, तो मुझे नहीं लगता कि मोदी ने चीन को बिल्कुल भी अच्छे से संभाला है। उनकी टिप्पणी 2020 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई झड़प के संदर्भ में थी। वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम चौकियों पर 2020 से 50,000 से अधिक भारतीय सैनिक तैनात हैं, जो बदलाव के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए उन्नत हथियारों के साथ हैं। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों के बारे में पूछे जाने पर रायबरेली के सांसद ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा हमारे देश में आतंकवाद को बढ़ावा देना दोनों देशों को पीछे धकेल रहा है। हम यह स्वीकार नहीं करेंगे कि पाकिस्तान हमारे देश में आतंकवादी कृत्य कर रहा है। हम ऐसा नहीं कर रहे हैं।" हम इसे स्वीकार करेंगे और जब तक वे ऐसा करते रहेंगे, हमारे बीच समस्याएं बनी रहेंगी।

जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में बुराड़ी की समस्याओं पर विचार

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली में सड़कों, नालियों, जलजमाव और बिजली पानी के मुद्दों को लेकर बैकफुट पर चल रही आम आदमी पार्टी के खिलाफ देवेंद्र यादव के नेतृत्व में दिल्ली कांग्रेस काफी हमलावर होती जा रही है। देवेंद्र यादव द्वारा मासिक बैठकों की नीति निर्धारण के बाद दिल्ली कांग्रेस क्षेत्रीय मुद्दों को भी बड़ी गंभीरता से उठाकर सीधा जनता से अपना जुड़ाव बना रही है। ऐसे ही क्षेत्रीय और प्रादेशिक मुद्दों को लेकर करावल नगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज के नेतृत्व में टूट कर गड्ढों में तब्दील हो चुकी सड़कों, ड्रेनेज फेलियर से हो रहे जल जमाव, साथ ही गड्ढों और जलजमाव से हो रहे हादसों, महंगी होती बिजली दरों व पीने के साफ पानी के लिए जूझती जनता के जैसे जरूरी मुद्दों के निवारण के लिए जिला स्तरीय न्याय यात्रा निकाल अपना आक्रोश जाहिर किया।

इस न्याय यात्रा के माध्यम से जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज के अलावा आब्जर्वर पी. के. मिश्रा, लक्ष्मण रावत और हर्ष चौधरी डॉक्टर एस पी सिंह, अरविंद सिंह, ईश्वर बागड़ी, निगम पार्षद खुशनूद, लोकेंद्र चौधरी ने दिल्ली सरकार उसके विधायक और भाजपा सांसदों पर कड़े सवालिया निशान उठाते हुए कहा कि ना सिर्फ बुराड़ी का मुख्य मार्ग बल्कि उससे कनेक्टिड सारी ही गलियां टूट कर गड्ढों में बदल चुकी हैं जिनमें रोज दुपहिया और तिपहिया वाहन पलट रहे हैं जिससे कई लोगों को गंभीर चोटें भी लग रही हैं। थोड़ी सी बारिश के बाद क्षेत्र का आलम यह हो जाता कि कभी भी राजेंद्र नगर जैसे गंभीर हादसे हो सकते हैं। दिल्ली में पिछले 2 महीनों में सड़क हादसों और जलजमाव से 28 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और बुराड़ी, तिमारपुर, करावल नगर और मुस्तफाबाद की हालत देखकर लगता है कि हमारे क्षेत्रीय विधायकों और दिल्ली सरकार ने पूर्व हादसे से कोई सबक नहीं सीखा।

पीने के पानी की सप्लाई का आलम यह है कि तीसरे दिन पानी आता है और वह भी इतना गंदा, बदबूदार और कीचड़ युक्त कि उसको पीना गंभीर रोगों को न्योता देने जैसा है। जबकि दिल्ली के बजट में जलबोर्ड को लगभग 7195 करोड़ रूपया आबंटित किया गया था। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की मेयर साहिबा दिल्ली के ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त करने पर 500 करोड़ का खर्च बताती हैं लेकिन हर दिन जल जमाव से उनके दावों की पोल खुलती जा रही है और मासूम दिल्लीवालों के जान माल का नुकसान हो रहा है। आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार, उसके विधायक और भाजपाई सांसद अपनी – अपनी जिम्मेदारियों को एक दूसरे पर डाल अपनी जान बचाने में लगे रहते। दिल्ली में साफ सफाई की लचर व्यवस्था का आलम ये है कि दिल्ली विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार हो चुका है। आम आदमी पार्टी के फर्जी विकास और भाजपा के झूठे जुमलों ने दिल्ली वालों को नारकीय जीवन जीने के लिए मजबूर कर दिया है। इसलिए आज लोगों की उम्मीदें फिर से कांग्रेस में नजर आ रही हैं।

आम समस्याओं से जुड़ी इस न्याय यात्रा में खेमचंद सैनी, रविंद्र त्यागी, मंगेश त्यागी, विनोद त्यागी, राम विलास शर्मा, फकीर चंद, राम निवास यादव, डॉ बी आर चौधरी, सुजीत सिंह, परवीन भड़ाना, चंदन चौबे, देवेंदर कुमार, रेखा रानी, सुरेंद्र कोच, उमा शर्मा, नीतू तोमर, श्याम सिसोदिया, नितिन त्यागी, पी एस रावत, योगिंदर यादव, बलजीत शर्मा, बीर सिंह, अंकित प्रधान, हरि पंडित, राज ठाकुर, मनोज फादर, राकेश दास जोगिंदर तोमर, संजीव वर्मा, मंसूरी अली, परदीप राणा नंन्नवा, प्रधान डॉ अकरम, संजय भारद्वाज एडवोकेट, आदित्य भारद्वाज, कपूर सिंह सिसोदिया, सुखबीर सिंह, पी एस नरवाल, ओंकार सूद, कालीचरण पवार चेयरमैन अली हसन कमरुद्दीन, मुखीत्यार हसन, सतीश सूर्यवंशी, हरदेव यादव, प्रिंसिपल एस एन दूबे, रणबीर, प्रिंसिपल रुकसाना बेगम के अलावा कई आरडब्ल्यूए और सामाजिक संगठन से जुड़े लोगों ने न्याय यात्री बनकर इस तानाशाह सरकार को चेताने का काम किया।

श्री रामलीला महासंघ का फ्री बिजली-पानी की मांग को लेकर प्रदर्शन

श्रीरामलीला महासंघ के आवाहन पर पुरानी दिल्ली के नेशनल क्लब फतेहपुरी दिल्ली में रामलीला कमेटियों के प्रतिनिधियों ने सभी राम लीलाओं के लिए फ्री बिजली , पानी की मांग को लेकर महासंघ के अध्यक्ष अर्जुन कुमार के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया। राजधानी की लीला कमेटियों के प्रतिनिधियों ने हाथों में सरकार से रामलीलाओं के लिए फ्री बिजली और पानी देने की मांग का बैनर और राम भक्तों को फ्री बिजली पानी के नारे लिखे तख्तियां के साथ धरना प्रदर्शन किया।

श्री रामलीला महासंघ के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने कहा सरकार हर साल कांवड़ कैंप, छठ पूजा आयोजन और हज यात्रियों के लिए लगने वाले शिविरो में फ्री पानी, फ्री बिजली, टेंट, फर्नीचर, मोबाइल टॉयलेट से लेकर सुरक्षा भी प्रदान करती है, लेकिन राम काज करने और प्रभु श्री राम का संदेश जन-जन तक ले जाने का पुनीत कार्य कर रही रामलीलाओं से इसके लिए सौ फीसदी चार्ज लिया जाता है ।

अर्जुन कुमार ने यह भी बताया कि दिल्ली के पूर्व सभी मुख्यमंत्री की ओर से दिल्ली की रामलीलाओं को बिजली पानी मुफ्त का आश्वासन मिलता रहा है किसी भी मुख्यमंत्री ने यह वादा पूरा नहीं किया परंतु दिल्ली के मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना ने रामलीलाओं के लिए बिजली कमर्शियल से घरेलू दर पर उपलब्ध कराई थी। उनके पश्चात दिल्ली की रामलीला पर बिजली कंपनियों ने फिर से कमर्शियल दरों से चार्ज लेना शुरू कर दिया।

महासंघ के महासचिव सुभाष गोयल के अनुसार मुगल काल से दिल्ली की एक रामलीला कमेटी को सरकार द्वारा बिजली, ग्राउंड और पानी फ्री दिया जाता है, फिर दूसरी रामलीला कमेटियों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों, इस लीला कमेटी की तर्ज पर दिल्ली सरकार को दूसरी सभी लीला कमेटियों को भी बिजली पानी फ्री मिलना चाहिए। इस मांग को लेकर हमने कई बार दिल्ली सरकार को ज्ञापन दिया, लेकिन हमें हर बार आश्वासन ही मिलता रहा है,अपनी इस आवाज को शांतिपूर्वक ढंग से सरकार तक पहुंचानें के लिए यह धरना प्रदर्शन दिया।

श्री रामलीला महासंघ की और से शीघ्र ही दिल्ली के उपराज्यपाल से मिलकर उन्हें अपनी मांगों से अवगत कराने का निर्णय भी लिया गया।

इस धरना प्रदर्शन में विभिन्न लीला कमेटियों से जत्थेदार अवतार सिंह, जोगिंदर पाल, मानसी अरोड़ा, गौरव सूरी, लोकेश बंसल , राजकुमार कश्यप, प्रशांत मलिक, मुकुल गुप्ता अशोक कटारिया, यश झा, मदन अग्रवाल, नवल किशोर गुप्ता, राज कुमार गुप्ता, सुधीर झा आदि शामिल हुए।

डॉ जे. पी सिंह साहनी प्रोफेशनल्स कॉन्क्लेव में सम्मानित

॥ सुनील पाराशर ॥

विदेशों में रहने वाले सनातनी पेशेवरों के वैश्विक संगठन ने हरियाणा के गुरुग्राम में पहली बार सनातनी प्रोफेशनल्स कॉन्क्लेव (SPC) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कॉन्क्लेव संपर्क भारती के निरंतर मिशन का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसका उद्देश्य भारतीय समुदाय को सशक्त बनाना और अगली पीढ़ी के नेताओं को तैयार करना है। इस अवसर पर डॉ जे.पी. सिंह साहनी ने चिदानंद सरस्वती का स्वागत किया ।

डॉ जे. पी सिंह साहनी के द्वारा किए गए इस प्रकार के कार्यों से नई पीढ़ी को ऊर्जा मिलती है उन्होंने कहा कि "आईटी, कानूनी और चिकित्सा क्षेत्रों में प्रवृत्तियों और अवसरों की खोज" थीम के साथ, यह सम्मेलन गुरुग्राम जैसे गतिशील शहर पर केंद्रित था, जो अपनी उन्नत आईटी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों के लिए जाना जाता है।

यह आयोजन उद्योग के नेताओं, विशेषज्ञों और पेशेवरों को एक मंच पर लाया, जहां उन्होंने आईटी, कानूनी और चिकित्सा क्षेत्रों में नवीनतम प्रवृत्तियों, चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की। मुख्य भाषणों के दौरान, उद्योग विशेषज्ञों ने इन क्षेत्रों में नवाचारों की आर्थिक भूमिका और उनके राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रभाव को उजागर किया।

इस आयोजन के साथ ही एक महत्वाकांक्षी पहल, भारत नॉलेज सेंटर (BKC), की शुरूआत की गई, जिसका उद्देश्य युवाओं के लिए करियर अवसरों में क्रांति लाना और उन्हें मूल्यवान संसाधनों और उद्योग अंतर दृष्टियों से परिचित कराना है। यह पहल करियर, सामाजिक और उद्यमिता कार्यक्रमों के माध्यम से सामुदायिक समर्थन प्रदान करने पर केंद्रित है। सम्मेलन को स्वामी चिदानंद सरस्वती की उपस्थिति ने विशेष रूप से रोशन किया, जिन्होंने अपने आध्यात्मिक विचारों से सभा को प्रबुद्ध किया। अन्य अतिथियों में पूर्व राज्य मंत्री डॉ. संजीव बाल्यान, स्वामी प्रेमानंद महाराज, सतीश गौतम, अलीगढ़ से सांसद, अनूप गौतम, हाथरस से सांसद, अशोक कुमार, राय विश्वविद्यालय के कुलपति शामिल थे। इन प्रमुख व्यक्तियों ने अपने गहन विचारों और ज्ञान से आयोजन को समृद्ध किया, चिदानंद सरस्वती ने डा जे.पी. सिंह साहनी को सम्मानित करते हुए कहा कि जे.पी. सिंह जैसे समाजसेवी जब तक हमारे साथ जुड़े है हमारा मिशन आगे ही बढ़ता रहेगा।

डॉ. कर्नल तेज टिकू, समर्पण भारती के संस्थापक टीम सदस्य, ने सम्मेलन की सफलता और भारत नॉलेज सेंटर (BKC) की शुरूआत पर अपने विचार साझा किए, 'सनातनी प्रोफेशनल्स कॉन्क्लेव (SPC) हरियाणा विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों को एक साथ लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है हमारी कोशिशों को मूर्त रूप देने के लिए, हमने भारत नॉलेज सेंटर की शुरूआत की है ताकि हम युवा दिमागों को पेशेवर दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन, संसाधन और सलाह प्रदान कर सकें, जिससे अगली पीढ़ी के लिए एक उज्जवल और सशक्त भविष्य का रास्ता तैयार हो सके।' संपर्क भारती की सामाजिक परिवर्तनों के लिए स्वैच्छिक और दानशील संगठनों के सहयोगी नेटवर्क बनाने की कोशिशें पूरे सम्मेलन में प्रदर्शित हुई। विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्तियों ने विचारों का आदान-प्रदान किया और सहयोग के नए रास्तों की खोज की, सभी का उद्देश्य भारत के युवाओं को सशक्त बनाना था।

इस सफल आयोजन के बाद समर्पण भारती अपनी आगामी SPC हरियाणा पहलों के तहत सोनीपत, रोहतक, हिसार, अंबाला और कुरुक्षेत्र में आगामी सम्मेलनों के साथ अपने मिशन को जारी रखेगा।

फोटो : राजीव गुप्ता

माँ शाक्ति आसरा संस्था द्वारा स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन

माँ शाक्ति आसरा संस्था द्वारा जनहित के लिए स्वास्थ्य कैम्प एवम विकलांगों के लिए जरूरी उपकरण उपलब्ध करवाए गए लक्ष्मी नगर विधानसभा के अन्तर्गत ललिता पार्क समुदायिक सेंटर में लगभग तीन सौ लोगों का स्वास्थ्य चैकअप किया गया। आँखों के चश्में और अन्य उपकरण दिए गए। कैम्प का आयोजन एडवोकेट अनिता गुप्ता ने किया कैम्प में शामिल लक्ष्मी नगर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डाक्टर हरिदत्त शर्मा, पूर्व निगम प्रत्याशी सुनीता धवन, एडवोकेट चौधरी यतिश खतरी, विकास कुमार गुप्ता पिंकी साहनी, जवाहरलाल धवन व अन्य समाजसेवी शामिल हुए।

70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मिलेगा मुफ्त इलाज

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

केंद्र सरकार ने देश के बुजुर्गों के लिए एक बड़ी सौगात की घोषणा की है। अब 70 साल और उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएम-जेएवाय) के तहत मुफ्त इलाज का लाभ मिलेगा। इस योजना का उद्देश्य बुजुर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें चिकित्सा संबंधी चिंताओं से मुक्ति मिल सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना की घोषणा अप्रैल में की थी, और अब इसे लागू कर दिया गया है। योजना के तहत, बुजुर्गों को प्रति वर्ष 5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा। खास बात यह है कि यह कवर 70 साल से अधिक उम्र के नागरिकों के लिए विशेष रूप से अलग होगा, जिसे वे परिवार के अन्य सदस्यों के साथ साझा नहीं करेंगे। यदि एक ही परिवार में एक से अधिक बुजुर्ग सदस्य हैं,

तो दोनों के बीच 5 लाख रुपये का कवर साझा किया जाएगा।

आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन

इस योजना का लाभ उठाने के लिए 70 साल या उससे अधिक उम्र के नागरिकों को आयुष्मान कार्ड बनवाना होगा। इसके लिए आप अधिकृत वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया में आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र और फोटो की जरूरत होगी। वेबसाइट पर जाकर आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट रजिस्ट्रेशन बटन पर क्लिक करें और आधार कार्ड की जानकारी दर्ज करें। मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी को दर्ज करके अपने आधार को वेरिफाई करें। आवेदन स्वीकृत होने के बाद, आप आयुष्मान कार्ड को डाउनलोड कर सकते हैं और इसका प्रिंट आउट निकालकर नजदीकी अस्पताल में कैशलेस इलाज का लाभ ले सकते हैं।

योजना के फायदे

इस योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को अस्पताल में भर्ती होने से पहले और डिस्चार्ज होने के बाद 15 दिनों तक की चिकित्सा सेवाएं, डॉक्टर से सलाह, दवाइयां, और नॉन-इंटेंसिव व इंटेंसिव केयर जैसी सेवाएं मुफ्त में मिलेंगी। इसके साथ ही जटिल चिकित्सा परिस्थितियों में भी बुजुर्गों को मुफ्त में इलाज मिलेगा। जो लोग पहले से किसी प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, या अन्य सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं जैसे सीजीएचएस, ईसीएचएस आदि के तहत कवर हैं, वे भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं। बुजुर्ग नागरिक अपनी पुरानी योजना चुनने या एबीपीएम-जेएवाय का लाभ उठाने के बीच चयन कर सकते हैं। केंद्र सरकार का यह कदम 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नागरिकों के लिए एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली के श्मशान घाटों पर दाह संस्कार कराने वाले पंडितों की दक्षिणा तय

राजधानी दिल्ली के श्मशान घाटों पर आए दिन पंडितों और दाह संस्कार कराने आए परिजनों के बीच दक्षिणा को लेकर छींटाकशी होती रहती थी, जिसके कारण दुखी परिजन जहां अपने परिजन की मृत्यु से दुखी होते थे, वहीं दाह संस्कार कराने वाले पंडितों द्वारा हजारों में दक्षिणा जबरन मांगने से भी परेशान होते थे, यहां तक की कई बार पंडितों के इस आचरण से निम्न वर्ग के व्यक्ति अपने परिजन की अस्थियां एकत्रित करने भी नही आते थे, कि कही फिर पंडित जी ज्यादा पैसों की डिमांड ना करने लग जाएं। ऐसी शिकायतों के बाद दिल्ली नगर निगम के एमएचओ ने आदेश पारित कर तय किया कि दिल्ली के सभी श्मशान घाटों में दाह संस्कार कराने वाले पंडितों को 500 रुपए की राशि दाह संस्कार के नाम की दी जाएगी और अस्थियां इकठ्ठा करने आने पर 350 रुपए प्रति व्यक्ति दिए जाएंगे।

इन आदेशों को पालन कराने में दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, जिसके बाद दिल्ली की मेयर व स्थानीय निगम पार्षदों द्वारा लोगों के हित की बजाए पंडितों के लिए दवाब बनाया जाने लगा।

इसके बावजूद दिल्ली नगर निगम ने इस मामले में आम नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के प्राचीन निगम बोध घाट, जमना बाजार, सराय काले खां, पंजाबी बाग, ग्रीन पार्क, पंचकुईया रोड श्मशानघाट, सुभाष नगर श्मशान घाट, द्वारका श्मशान घाटों सहित सभी श्मशान घाटों पर रेट पट्टिका लगाई है, जिसमें निगम द्वारा निर्धारित रेटों को अंकित किया गया है। बहरहाल, निगम के इस ऐतिहासिक कदम से जहां आम व्यक्ति को आए दिन के घाटों पर होने वाले झगडों से निजात मिलेगी, वही अब पंडितों द्वारा अभद्र व्यवहार करने पर भी पुलिस शिकायत करने का अधिकार भी होगा। निगम के इस फैसले के अनेकों धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं ने समर्थन किया है।

राजस्थान के राधे लाल शर्मा राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित

॥ शिवराम मीणा ॥

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में नर्सिंग पेशेवरों को वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान किए । श्रीमती मुर्मू ने देश भर से चयनित नर्सिंग कर्मियों को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया । भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के माध्यम से चयनित कुल 15 नर्सिंग पेशेवरों में राजस्थान से राधे लाल शर्मा, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, सवाई मान सिंह अस्पताल, ट्रामा सेंटर, जयपुर को क्लीनिकल

नर्स श्रेणी में राष्ट्रपति भवन के सम्मान समारोह में राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार -2024 से सम्मानित किया।

विदित है कि यह पुरस्कार मूलतः ब्रिटिश नर्स फ्लोरेंस नाइटिंगेल की नर्सिंग सेवाओं से प्रेरित है, जिन्होंने (1853 -1856) की क्रीमियन वॉर के दौरान जख़्मी लोगों का इलाज किया था । भारत में यह पुरस्कार स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 1973 में संस्थापित किया गया था । इन पुरस्कारों का प्राथमिक उद्देश्य पूरे भारत में नर्सों के उल्लेखनीय कार्यों को स्वीकार करना और उनकी सराहना करना है । यह पुरस्कार नर्सिंग प्रोफेशनलों को समाज को प्रदान की गई उनकी सराहनीय सेवाओं के सम्मान स्वरूप दिया जाता है।

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार में विजेताओं को प्रशस्ति पत्र, 50,000 का नगद पुरस्कार और पदक प्रदान किया जाता है।

डीजीएस ने महिलाओं के लिए विशेष योजना की घोषणा

महिलाओं को सशक्त बनाने और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, डीजीएस (डिजिटल ग्रामीण सेवा) ने एक विशेष योजना की शुरूआत की है। इस योजना के तहत, महिलाएं मात्र रु 249/- की रियायती पंजीकरण शुल्क देकर व्यापारी बन सकती हैं और घर बैठे रु 50,000 तक की आय कमा सकती हैं। वहीं, पुरुषों के लिए पंजीकरण शुल्क रु 979/- है। यह पहल डीजीएस की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक साधन और समर्थन प्रदान करने के लिए है।

डिजिटल ग्रामीण सेवा के संस्थापक ओम नारायण सिंह ने इस योजना के लाभों पर प्रकाश डाला, जिससे महिलाओं को वित्तीय लाभ, जैसे अनुदान, ऋण, और कर छूट का लाभ मिल सकता है, जिससे वे अपने कार्य करने की क्षमता को मजबूत कर सकती हैं। उन्होंने कहा, "हमारा मिशन ग्रामीण लोगों को डिजिटल दुनिया से जोड़ना और उन्हें सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से, हमने महिलाओं को व्यापार शुरू करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए एक न्यूनतम शुल्क की पेशकश की है।" डीजीएस के विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से नागरिक पासपोर्ट, पैन कार्ड, और ड्राइविंग लाइसेंस जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं तक ऑनलाइन पहुंच प्राप्त कर सकते हैं, जिससे समय और पैसे की बचत होती है। इस सहयोग से रोजगार सृजन, आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला है, और नई तकनीकों को अपनाने के माध्यम से देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को भी मजबूती मिली है। डीजीएस का नेटवर्क अब पूरे भारत में फैला हुआ है, जिसमें 200,000 से अधिक रिटेलर, 5,000 डिस्ट्रीब्यूटर, 500 सुपर डिस्ट्रीब्यूटर और 15 जोनल हैं जुड़कर काम कर रहे है। कंपनी का मुख्य कार्यालय सरिता विहार, नई दिल्ली में स्थित है, और दूसरा कार्यालय बलिया, उत्तर प्रदेश में है। अपने निरंतर मिशन के तहत, डीजीएस नई सेवाओं को पेश करने और ग्रामीण क्षेत्रों में अपने नेटवर्क का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है ताकि महिलाओं को सशक्त बनाया जा सके और डिजिटलिजेशन को बढ़ावा दिया जा सके।

डीजीएस, अभिनव योजनाओं और उनके ग्रामीण महिलाओं के जीवन पर प्रभाव से डिजिटल सशक्तिकरण के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने के अपने मिशन पर अडिग है।

डीयूजे ने सीताराम येचुरी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी

दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स ने सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी के निधन पर शोक जताया है। एक सांसद, एक राजनीतिक कार्यकर्ता, एक स्तंभकार और पीपुल्स डेमोक्रेसी तथा द मार्क्सिस्ट के संपादक के रूप में येचुरी हमेशा प्रेस की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पक्षधर रहे। कई अवसरों पर उन्होंने पत्रकारों के बड़े पैमाने पर ठेकाकरण और मीडिया के निगमीकरण जैसे मुद्दे उठाए हैं। जब भी मीडिया या पत्रकारों पर हमला हुआ, तो वे न्याय की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शनों में सबसे आगे रहे। वे डीयूजे के मित्र थे। उन्होंने पहले भी डीयूजे के कई कार्यक्रमों में भाग लिया है। जब देशभक्त कार्यकर्ता और पत्रकार लगभग भुखमरी की स्थिति में थे, तो उन्होंने इस मुद्दे को श्रमिक ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) में उठाया और इसका प्रभाव भी स्पष्ट हुआ।

डीयूजे उनकी पत्नी और हमारी सहयोगी सीमा चिश्ती, उनकी बेटी अखिला, बेटे दानिश और उनके परिवार के सदस्यों, मित्रों और साथियों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है। उनकी क्षति न केवल देश में प्रगतिशील और लोकतांत्रिक आंदोलनों के लिए बल्कि ट्रेड यूनियनों, श्रमिकों और किसानों के लिए भी अपूरणीय है।

नेशनल अलायंस ऑफ जर्नलिस्ट्स (एनएजे) श्रद्धांजलि में शामिल है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु. एम.के. स्टालिन की उपस्थिति में कैटरपिलर के साथ 500 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

11 सितंबर 2024 को शिकागो, अमेरिका में तमिलनाडु सरकार और कैटरपिलर के बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु. एम.के. स्टालिन की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता 500 करोड़ रुपये के निवेश के साथ तिरुवल्लूर और कृष्णगिरी जिलों में कैटरपिलर की मौजूदा निर्माण उपकरण विनिर्माण सुविधाओं के विस्तार से संबंधित है।

जम्मू-कश्मीर में खड़गे ने कांग्रेस की पांच गारंटी का किया ऐलान

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) गठबंधन के सत्ता में आने पर पांच प्रमुख गारंटी की घोषणा की। प्रमुख वादों में से एक स्वास्थ्य बीमा योजना है जो जम्मू-कश्मीर में प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये का कवरेज प्रदान करती है। अनंतनाग में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, खड़गे ने कश्मीरी पंडित प्रवासियों के पुनर्वास के वादे को पूरा करने की कसम खाते हुए कांग्रेस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

विस्थापित समुदायों की चिंताओं को दूर करने के गठबंधन के इरादे की पुष्टि करते हुए उन्होंने कहा कि हम मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान किए गए कश्मीरी पंडित प्रवासियों के पुनर्वास के वादे को पूरा करेंगे। खड़गे ने जम्मू-कश्मीर में परिवारों की महिला मुखियाओं को 3,000 का मासिक लाभ देने का वादा किया, साथ ही महिलाओं को 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण भी दिया। खड़गे ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और के सी वेणुगोपाल और सुबोधकांत सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में वादे पढ़े। खड़गे ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 1 लाख सरकारी नौकरियां खाली हैं। जैसे ही हमारी सरकार आएगी, वैसे ही इन पदों को भरा जाएगा। यहां हजारों सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं, उन्हें शुरू किया जाएगा। हमारी सरकार आते ही पर्यटन, मैन्युफैक्चरिंग, जॉब, स्कूल पर फोकस करेंगे। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में जो LG की सरकार चल रही है, उसमें भ्रष्टाचार हो रहा है। ये लोग धमकाने की कोशिश करते हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर के लोग डरने वाले नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कहा कि "मैंने जिन लोगों पर सैकड़ों करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, उनकी जांच करने के बजाए सरकारी एजेंसियां तानाशाही आदेश के तहत मेरे घर पर छापेमारी कर रही हैं।" ये बात सत्यपाल मालिक ने कही, जिन्हें BJP ने ही गवर्नर बनाया था। यानी एक तो चोरी दूसरा सीनाजोरी.. उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पहले 11 किलो चावल मिलता था, आज केवल 5 किलो मिल रहा है। इससे पता चलता है कि गरीबों का हमदर्द कौन है। कांग्रेस की सरकार फूड सिक्योरिटी बिल लेकर आई। यही कांग्रेस और BJP में फर्क है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि आप लोग सिर्फ भाषण देने वालों पर नहीं, काम करने वालों पर भरोसा कीजिए।

भाजपा और संघ दक्षिण भारत के खिलाफ अपशब्द कहते हैं

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने भाजपा और आरएसएस पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि वे दक्षिण भारत के खिलाफ अपशब्द कहते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने राहुल गांधी के अमेरिका दौरे के दौरान दिए बयानों का समर्थन किया, इसमें राहुल गांधी ने कहा था कि आरएसएस कुछ राज्यों से नफरत करती है। कांग्रेस नेता खेड़ा ने बताया कि आप सोशल मीडिया पर देख सकते हैं कि कैसे आरएसएस और उससे जुड़े लोग दक्षिण भारत के खिलाफ बोलते हैं।

जहां भाजपा को चुनावी लाभ नहीं मिलता, वे उन राज्यों के पीछे पड़ जाते हैं। खेड़ा ने अयोध्या का उदाहरण देकर कहा कि जब भाजपा अयोध्या में चुनाव हारी, तब सोशल मीडिया पर अयोध्यावासियों के खिलाफ गलत बातें कही जाने लगी थीं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बयान सही है और दिखाता है कि किस तरह भाजपा और आरएसएस उन राज्यों के खिलाफ होते हैं, जहां उन्हें समर्थन नहीं मिलता।

इतना ही नहीं खेड़ा ने राहुल गांधी के सिख धर्म पर दिए बयान का समर्थन किया। उन्होंने हिजाब बैन पर भाजपा की नीतियों की आलोचना कर कहा, जो लोग हिजाब के खिलाफ आंदोलन करते हैं, वे कब पगड़ी को निशाना बनाएंगे, इसका कोई भरोसा नहीं। देश में नए विचारों पर चर्चा होनी चाहिए।

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा राज में मुठभेड़ का एक पैटर्न सेट हो गया है। उन्होंने पुलिस के साथ मुठभेड़ में आरोपियों के मारे जाने को 'फर्जी मुठभेड़' भी करार दिया।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि भाजपा राज में मुठभेड़ का एक 'पैटर्न' सेट हो गया है कि 'पहले किसी को उठाओ, फिर झूठी मुठभेड़ की कहानी बनाओ और फिर दुनिया को झूठी तस्वीरें दिखाओ।' उन्होंने यह भी कहा, 'फिर हत्या के बाद परिवार वालों द्वारा सच बताये जाने पर तरह-तरह के दबाव व प्रलोभन से उन्हें दबाओ। विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा भंडाफोड़ होने पर अपने दोयम दर्जे के नेताओं को आगे करके शीर्ष नेतृत्व को बचाओ।' उन्होंने यह भी कहा कि, 'जिसका दाना-उसका गाना' वाले संबंधों को निभाने वाले मीडिया को दुष्प्रचार के लिए लगाओ। फिर झूठ में पारंगत अपने तथाकथित बड़े भाजपाई नेताओं से ऐसी गैरकानूनी मुठभेड़ को सही साबित करने के लिए तर्कहीन बयानबाजी कराओ। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'भाजपा अपने दल-बल के साथ मुठभेड़ को जितना अधिक सच साबित करने में लग जाती है, वह मुठभेड़ दरअसल उतना ही बड़ा झूठ होता है। भाजपा ने सच का ही 'एनकाउंटर' कर दिया है।' इससे पहले अखिलेश यादव ने राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा था कि भाजपा शासन के दौरान मुठभेड़ों के आंकड़े अवैध हत्याओं और पीडीए के खिलाफ किये गये अन्याय के भी आंकड़े हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने फर्जी मुठभेड़ के कुछ आंकड़े भी साझा किए, जिसमें उन्होंने दावा किया कि पुलिस के साथ गोलीबारी में मारे गए 60 प्रतिशत लोग पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) के थे। अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर आंकड़े साझा करते हुए एक अन्य पोस्ट में कहा था, भाजपा राज में मुठभेड़ का आंकड़ा गैर कानूनी हत्याओं की नाइंसाफी का भी आंकड़ा है और साथ ही पीडीए के विरूद्ध हुए अन्याय का भी।

अभूतपूर्व शोध का अनावरण: 'ट्रेजर्स ऑफ द गुप्ता एम्पायर' पुस्तक का IGNCA में किया गया विमोचन

॥ मनोज शर्मा ॥

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम के तहत बहुप्रतीक्षित पुस्तक 'ट्रेजर्स ऑफ द गुप्ता एम्पायर' का आधिकारिक विमोचन किया गया। इस शोध पुस्तक के लेखक संजीव कुमार हैं, जो भारत के सबसे प्रभावशाली ऐतिहासिक कालों में से एक, गुप्त साम्राज्य, की हमारी समझ को बदलने का वादा करती है।

यह अद्वितीय पुस्तक अंतर्राष्ट्रीय इतिहासकारों और विद्वानों से व्यापक सराहना प्राप्त कर चुकी है। पुस्तक, गहन शोध पद्धति और वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर, गुप्त साम्राज्य (चौथी से छठी शताब्दी ईस्वी) के बारे में अब तक अनदेखे पहलुओं को उजागर करती है। इस किताब के जरिए, कुमार हमारे इतिहास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाते हैं और भारत के समृद्ध अतीत की कहानी को नए तरीके से पेश करते हैं।

IGNCA में आयोजित इस विमोचन कार्यक्रम में विद्वानों, इतिहासकारों और सांस्कृतिक प्रेमियों का एक प्रतिष्ठित समूह उपस्थित रहा। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में गुप्त साम्राज्य के दुर्लभ सिक्कों की प्रदर्शनी भी शामिल रही, जिसने उस काल के गौरवशाली अतीत के साथ एक सजीव संबंध स्थापित किया।

कुमार की 'ट्रेजर्स ऑफ द गुप्ता एम्पायर' पुस्तक केवल एक ऐतिहासिक विवरण नहीं है, बल्कि यह गुप्तकालीन इतिहास की हमारी समझ को पुनः परिभाषित करने वाली एक महत्वपूर्ण पुस्तक है। आधुनिक वैज्ञानिक विधियों का उपयोग कर, यह पुस्तक सम्राट समुद्रगुप्त, चंद्रगुप्त, कुमारगुप्त और स्कंदगुप्त जैसे शक्तिशाली शासकों के अज्ञात पहलुओं को उजागर करती है और पहले से चली आ रही ऐतिहासिक धारणाओं को चुनौती देती है।

प्रोफेसर डॉक्टर रंजना झा ने कुलपति का पदभार ग्रहण किया

॥ बी एन झा ॥

दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी (DTUW) मे प्रोफेसर डॉक्टर रंजना झा ने कुलपति का पदभार ग्रहण किया । इससे पहले डॉक्टर झा नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की प्रमुख रही हैं । प्रोफेसर रंजना झा, सौर ऊर्जा सामग्री और अनुप्रयुक्त भौतिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

विज्ञान में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार और सौर ऊर्जा उपयोग, सामग्री और उपकरण निर्माण में शिक्षाविदों और अनुसंधान के लिए कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए। वे एनएसयूटी के विश्वविद्यालय न्यायालय के सदस्य के रूप में नामांकित रही हैं। उन्होंने यू.एस., यू.के., ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड और नेपाल जैसे देशों में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में कई शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं ।

प्रीत विहार कमर्शियल काम्प्लेक्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष बी एन झा ने बताया कि डॉक्टर रंजना झा वह भौतिकी विभाग में ऊर्जा प्रणालियों के लिए अनुसंधान प्रयोगशाला की संस्थापक और प्रभारी रही हैं।

उनकी अनुसंधान रुचि सौर ऊर्जा सामग्री और सौर ऊर्जा उपयोग, एकल क्रिस्टल निर्माण, नैनो-संरचित पतली फिल्म सौर कोशिकाओं का विकास और डिवाइस अनुप्रयोगों के लिए ऊर्जा सामग्री की विशेषता है ।

कई स्नातकोत्तर छात्रों को पीएच.डी. से सम्मानित किया गया है। सौर ऊर्जा सामग्री और उपयोग में उनकी देखरेख में और ऊर्जा प्रणालियों के लिए अनुसंधान प्रयोगशाला की छत्रछाया में एससीआई अनुक्रमित पत्रिकाओं में अपना शोध कार्य प्रकाशित किया है। वे यमुना पार के स्वास्थ्य विहार में रहती है ।

मिल सकती है बड़ी राहत, दिल्ली में आधे ही भरने होंगे वाहनों के चालान!

दिल्ली के वाहन चालकों को दिल्ली सरकार बड़ी राहत देने जा रही है। यदि केजरीवाल सरकार का प्रस्ताव एलजी वीके सक्सेना स्वीकार कर लेते हैं तो दिल्ली में अब वाहनों के कटने वाले चालान पर 50 फीसदी की छूट मिलेगी। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने नए प्रस्ताव की जानकारी दी है।

दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने यह भी बताया है कि चालान में 50 फीसदी की छूट का लाभ तब मिलेगा जब इसे निर्धारित समय में भर दिया जाए। उन्होंने कहा कि पुराने चालान को अधिसूचना जारी के 90 दिनों के भीतर भरने पर छूट मिलेगी। नियम की अधिसूचना के बाद जारी किए गए चालानों के लिए 30 दिनों के भीतर भुगतान की स्थिति में यह लाभ मिल सकेगा। दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री ने कहा कि दिल्लीवासियों की सुविधा के लिए और यातायात जुर्माने के निपटारे को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की विशिष्ट धाराओं के तहत चालान राशि को 50% करने का निर्णय लिया है। उन्होंने यह भी बताया कि इसके लिए एक प्रस्ताव उपराज्यपाल वीके सक्सेना को मंजूरी के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार दिल्लीवासियों के जीवन को आसान और आरामदायक बनाने के लिए समर्पित है।

नमो इम्पैक्ट का इफेक्ट कॉफी टेबिल बुक का विमोचन

॥ पंकज गुप्ता ॥

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की दस वर्षों की नीतियों पर आधारित नमो इम्पेक्ट कॉफी टेबिल बुक का विमोचन इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में संपन्न हुआ। नमो इम्पेक्ट कॉफी टेबल बुक के अंग्रेजी संस्करण के लोकापर्ण के अवसर पर केंद्रीय आवास और शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि सारी दुनिया मोदी सरकार की विकास और लोककल्याणकारी नीतियों की प्रशंसा कर रही है। मोदी सरकार में देश का कायाकल्प लगातार हो रहा है। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ से रायपुर के लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, असम और नागालैंड के पूर्व राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी, बीजेपी के वरिष्ठ नेता विजय जॉली,

पूर्व विधायक और महाराजा अग्रसेन इंजीनियरिंग कॉलेज के संस्थापक डॉक्टर नंद किशोर गर्ग, समाजसेवी विनीत गुप्ता लोहिया, जगदीश गोयल और पुस्तक के लेखक अतुल सिंघल, नमो इम्पैक्ट टीम के एडिटोरियल के सदस्य व पत्रकार पंकज कुमार भी उपस्थित रहे। किताब की प्रस्तावना सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लिखी है।

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मोदी सरकार के नए भारत की उन्नत तस्वीर इस कॉफी टेबिल बुक में प्रदर्शित की गई है। इसलिए यह पुस्तक आने वाले समय में मिल का पत्थर साबित होगी। लेखक अतुल सिंघल, सांसद नरेश बंसल के साथ कॉफी टेबल बुक के हिंदी संस्करण की प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी भेंट कर चुके हैं। इस अवसर पर नरेश बंसल ने कहा कि कॉफी टेबिल बुक के हिंदी संस्करण को बहुत सफलता मिली है। जिसकी भूरी- भूरी प्रशंसा स्वयं प्रधानमंत्री कर चुके हैं। लेखक अतुल सिंघल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के गरीबों के कल्याण और विकास की जिन योजनाओं पर काम कर रहे हैं, उन सभी प्रमुख योजनाओं को इस कॉफी टेबल बुक में शामिल किया गया है। कार्यक्रम में असम के पूर्व राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य अंत्योदय है। इस पुस्तक में भी देश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण की नीतियों को प्रमुखता से स्थान दिया गया है। कॉफी टेबिल बुक के लोकापर्ण के अवसर पर बीजेपी के वरिष्ठ नेता विजय जौली ने कहा कि वह दुनिया के 154 देशों की यात्रा भारत के राजनेता के तौर पर कर चुके है। यह कॉफी टेबल बुक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल की गौरवशाली नीतियों को लेकर जाने में सफल होगी।

दिल्ली के कांग्रेस ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव का जन्मदिन मनाया

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जुझारू अध्यक्ष देवेन्द्र यादव का जन्मदिन प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में बड़ी धूम धाम से मनाया गया। बधाई देने वालों में लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक प्रत्याशी डॉ हरिदत्त शर्मा, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी लीगल ह्यूमन राइट्स विभाग के महासचिव एडवोकेट हरीश गोला, पूर्व निगम प्रत्याशी प्रवीण शर्मा, शकरपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सिंह, आई टी इंचार्ज लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र विकास कुमार सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित थे।

मराठा आंदोलन के समाधान का वक्त यही है

मधुरेन्द्र सिन्हा

वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर भारत के लोग महाराष्ट्र में चार दशकों से चल रहे मराठा आंजोलन से अनभिज्ञ हैं और उतना ही जानते हैं जितना टीवी चैनल या कुछ राष्ट्रीय समाचार पत्र बताते हैं। इससे बहुत ज्यादा भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है और लोग कई तरह की बातें करते हैं खासकर इसलिए कि यह आरक्षण से जुड़ा हुआ मसला है। सच तो यह है कि यह मुद्दा अस्सी के दशक से शुरू हुआ लेकिन इसका उचित समाधान कभी नहीं हुआ। इस दौरान तीन-चार मराठा मुख्य मंत्री भी हुए लेकिन मराठा आरक्षण के भागीदारों को न्याय नहीं मिला। वे सभी आरक्षण के लिए आंदोलन करते रहे लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

दरअसल समस्या इसलिए खड़ी हुई कि आजादी के बाद औरंगाबाद सहित महाराष्ट्र के आठ जिलों को हैदराबाद के निजाम से लेकर महाराष्ट्र में शामिल कर दिया गया। लेकिन उसके बाद ही समस्या शुरू हुई। उत्तर भारत के लोग महाराष्ट्र की जाति व्यवस्था को नहीं जानते। उनके लिए मैं बता देता हूं कि वहां कूणबी समुदाय है जो मूलतः खेतिहर है और छत्रपति शिवाजी महाराज की सेना में रहे थे और अपनी बहादुरी का परिचय दिया था। इन लोगों ने ही यह आंदोलन किया जिसे मराठा आंदोलन का नाम दिया गया। लेकिन यहां पर एक तथ्य भी है कि मराठा कुछ मायनों में कूणबी समुदाय से अलग हैं और उनके बीच रोटी-बेटी का संबंधा है। इसलिए मराठा-कूणबी भी कहा जाता है। कूणबी समुदाय की जनसंख्या महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा रही है। 1881 में अंग्रेजों ने जो गैजेट बनाया था उसके मुताबिक महाराष्ट्र के उन आठ जिलों में कूणबी समुदाय की आबादी सबसे ज्यादा थी। 1984 में हैदराबाद के निजाम के गैजेट में भी इनके खेतिहर होने के बारे में विस्तार से वर्णन है। लेकिन 1952 में सरकार ने इन्हें ओबीसी की श्रेणी में नहीं रखा जबकि महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में जो मराठा थे उन्हें रखा गया। कर्नाटक में, मराठों को अन्य पिछड़ा वर्ग के रूप में वगीर्कृत किया गया है, कोडगु जिले के मराठों को छोड़कर जिन्हें अनुसूचित जनजाति के रूप में वगीर्कृत किया गया है। महाराष्ट्र में उन्हें मंडल आयोग द्वारा अगड़ी जाति के रूप में वगीर्कृत किया गया था। और यहां से समस्या जटिल हो गई क्योंकि अन्य पिछड़ी जातियों को तो मंडल कमीशन ने आरक्षण दे दिया लेकिन कूणबी समुदाय जिसे वास्तव में यह मिलना चाहिए था, वह वंचित रह गया। 1994 में इसके लागू होने के बाद से माहौल और गरमा गया। कुणबी समुदाय के लोग आंदोलन तेज करने लगे। यह मामला राजनीति का शिकार हो गया। तरह-तरह की बातें होने लगीं। कूणबी मराठा आंदोलन बहुत तेज होने के बाद महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री एकनाथ शिंदे ने अगस्त 2023 में एक समिति बनाई। जस्टिस संदीप शिंदे के नेतृत्व में एक तीन सदस्यीय समिति ने इस मुद्दे का हल निकालने की दिशा में काम किया। समिति ने कुल तीन रिपोर्ट सरकार को दी ताकि इस मामले पर प्रकाश पड़ सके। इसके बाद सरकार ने इस समिति को पांच महीने का विस्तार दे दिया ताकि और भी मुद्दे स्पष्ट हो सकें। उसे यह भी कहा गया कि वह हैदराबाद से इस बारे में कुछ दस्तावेज लाये। इस समिति की रिपोर्ट काफी मायने रखती है।

लेकिन इस बीच यहां पर बता देना उचित होगा कि यह आंदोलन तेज हुआ तो उसका कारण था कि उस समय युवा एक्टिविस्ट मनोज जरांगे पाटील

के कारण जिन्हें कूणबी समुदाय का जबर्दस्त साथ मिला। बीड जिले के मातोरी के माशिरूर-कासार तालुका में गरीब परिवार में जन्मे 41 वर्षीय जरांगे-पाटील तीन भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे हैं। गन्ना काटने का काम करने वाले अपने पिता और भाइयों की कड़ी मेहनत के बावजूद उन्हें गरीबी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कम उम्र में ही मराठा हितों के लिए एक आंदोलनकारी के रूप में अपनी पहचान बना ली। जालना जिले में वे अपने मामा के घर चले गए और वहां शादी कर ली और वहीं बस गए। वे मराठा संगठनों में रहे और बाद में कांग्रेस से जुड़े। उन्होंने 'शिवबा संगठन' नामक संगठन भी बनाया। देखते ही देखते उनकी लोकप्रियता मराठवाड़ा में आसमान छूने लगी और लाखों लोग उनके पीछे खड़े हो गये। इससे आंदोलन बढ़ता गया। सितंबर 2023 में जालना जिले में लाठीचार्ज के दौरान उनका नाम सुर्खियों में आया। वहां वे मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग करते हुए आमरण अनशन कर रहे थे। जरांगे पाटील राज्य स्तर के नेता तो बन गये हालांकि वह अपने को नेता नहीं मानते बल्कि एक कार्यकर्ता ही मानते हैं। उनका विनम्र किन्तु दृढ़ स्वभाव उन्हें ऊँचाइयों पर ले गया। सबसे बडी बात यह थी कि वह किसी तरह की राजनीति में नहीं रहे और न ही किसी राजनीतिज्ञ का साथ लेते थे। उन्होंने जनता के बीच अपनी जगह बना ली और पिछले साल एक राज्यव्यापी आंदोलन किया जिसकी गूंज चारों ओर सुनाई दी। उनके समर्थकों ने लाखों की तादाद में आकर मुंबई महानगर में अपना शांतिपूर्ण शक्तिप्रदर्शन किया। वरिष्ठ मराठी पत्रकार धाराजी भूसारे ने जोर देकर कहा कि यह आंदोलन स्व प्रेरित है और सभी आंदोलनकारी अपने पैसे खर्च करके इसमें भाग ले रहे थे। वे स्वयं इस आंदोलन से कई दशकों से जुड़े हुए हैं ताकि कुणबी मराठा समुदाय को आरक्षण तथा न्याय मिल सके। इसके लिए उन्होंने खुद काफी पैसा खर्च किया जबकि उनकी सामर्थ्य उतनी नहीं थी। भूसारे ने इस बात का कड़े शब्दों में खंडन किया कि जरांगे पाटील के पीछे शरद पवार या इस तरह के किसी नेता का हाथ है। भूसारे ने कहा कि जरांगे के साथ वह वर्षों से जुड़े हुए हैं और उन्हें नजदीक से जाना है। वह सच्ची बातें कहते हैं और उनका कोई स्वार्थ नहीं है। उन्होंने हमेशा शांतिपूर्ण आंदोलन की बात की है। उन्होंने कहा कि जरांगे पाटील शांतिपूर्ण आंदोलनों में विश्वास करते हैं और किसी तरह की उग्रता के पक्षधर नहीं हैं। एक अन्य बड़े समर्थक शिवाजी देशमुख भी यही बात कहते हैं। वह कहते हैं कि जरांगे पाटील के पीछे करोड़ों लोग है और इसलिए उनकी लोकप्रियता इतनी है। वह किसी राजनीतिज्ञ के कहने पर नहीं चलते इसलिए भी उन पर आरोप लगते हैं लेकिन वह सच्चे इंसान हैं और जिन लोगों ने उनसे मुलाकात की है या उनकी बातें सुनी हैं वे उनके समर्थक बन गये हैं। यह स्व स्फूर्त आंदोलन है और इस पर किसा भी तरह का आरोप लगाना अनुचित है।

इस प्रश्न के जवाब में कि जरांगे पाटील ने 10 फीसदी आरक्षण की मांग की बजाय मराठाओं को ओबीसी वर्ग में शामिल करने का दबाव क्यों बनाया, भूसारे कहते हैं कि उन्हें मालूम था कि इस तरह की कोई भी व्यवस्था सुप्रीम कोर्ट में नहीं टिक पायेगी इसलिए यह मांग की गई है। सरकार पर जब दबाव पड़ा तो वह इस बात के लिए मान गई कि मराठाओं को आरक्षण ओबीसी कोटे से ही मिलेगा। उन्हें अपना जाति प्रमाण पत्र देना होगा। यहां पर थोड़ी समस्या आती है कि पुराने दस्तावेज मिलने में काफी दिक्कत है।

डॉक्टर जनार्दन पिंपले, जिन्होंने इस विषय का गहन अध्ययन किया है बताते हैं कि कुणबी समुदाय या मराठा समुदाय के उन लोगों की जाति का पता लगाना इसलिए भी संभव नहीं है क्योंकि हैदाराबाद का निजाम जब भारत ने ले लिया था तो उस समय रजाकारों ने वहां की बड़ी कचहरी में आग लगा दी ताकि सभी दस्तावेज नष्ट हो जाएं और ऐसा हुआ भी। वह बताते हैं कि समस्या यह है कि इन आठ जिलों के कूणबी मराठाओं के पास उस तरह का कोई पुराना दस्तावेज नहीं है। लेकिन 1881 के अंग्रेजों के गजट में उनका पूरा जिक्र है और उधर निजाम के गजट में भी इसका जिक्र है। इस आधार पर ही बात बन सकती है।

अब महाराष्ट्र सरकार ने कूणबी मराठाओं को ओबीसी वर्ग में डालने का आदेश तो जारी कर दिया है लेकिन ओबीसी नेता इससे नाराज हैं और कुछ कोर्ट में भी चले गये हैं। ओबीसी नेता छगन भुजबल ने तो इस पर घोर आपत्ति की है और इसका विरोध किया है। उन्होंने तो इसके विरोध में कई रैलियां भी की हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि छगन भुजबल ओबीसी वर्ग में अपनी संप्रभुता बनाये रखने के लिए ऐसा विरोध कर रहे हैं। इसी तरह पूर्व मुख्य मंत्री राणे भी इस फैसले के खिलाफ हैं। जाहिर है कि इस बड़े फैसले का विरोध तो होगा ही, ओबीसी वर्ग के लोगों की चिंताएं बढ़ेंगी ही।

कूणबी-मराठा का इतिहास

इस मामले के जानकार जनार्दन पिंपले ने बताया कि शिवाजी महाराज भी कूणबी थे और कूणबी राजा नही हो सकता यह बहाना बनाकर पैठण और नाशिक के पुरोहितों ने छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक विधी करने से इंकार कर दिया था! इसलिए छत्रपति शिवाजी महाराज ने काशी के मशहूर पुरोहित गागा भट्ट को बुलाकर राज्याभिषेक किया था! ऐतिहासक ग्रंथ में इसका स्पष्ट उल्लेख हैं। इसलिए मराठा यह कोई जाति नहीं है! मराठा जाति का नाम होता तो भारत के राष्ट्र गीत मे एक जातिं का नाम नही आता! इस लिए एह प्रांतवाचक शब्द हैं! 1931 के जातिगत गणना के वक्त "मराठा"नाम से चलने वाले उस पत्र मे तत्कालीन कूणबी समाज को मराठा जाति रेकॉर्ड करने के लिए उसकाया गया था। इसलिए कूणबी जाति के लोगों ने मराठा जाति बताना चालू किया! महाराष्ट्र के निजाम गजट 1884 के साथ साथ सातारा स्टेट गजट, कोल्हापूर स्टेट गजट, मुंबई स्टेट गजट तथा सीपी एंड बेरार स्टेट गजट मे भी 1881 के जातिगत गणना के अहवाल में अन्य जातियों के साथ मे सिर्फ कूणबी जाति का उल्लेख है, मराठा नाम की जाति का कोई उल्लेख नहीं है!

हरियाणा चुनाव: जुलाना से कुश्ती की दो दिग्गज हस्तियां मैदान में

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए जुलाना सीट पर दिलचस्प और कांटे का मुकाबला होने की उम्मीद है। इस सीट पर भारतीय कुश्ती की दो दिग्गज हस्तियां, कविता दलाल और विनेश फोगाट आमने-सामने हैं। जहां विनेश कांग्रेस से तो वहीं कविता आम आदमी पार्टी (आप) से चुनावी मैदान में किस्मत आजमाने उतरी हैं।

कविता दलाल, जो कभी डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में अपनी ताकत और तकनीक के लिए जानी जाती थीं, अब सियासी के रिंग में अपनी शक्ति दिखाने के लिए तैयार हैं। कविता का जन्म जींद जिले के जुलाना तहसील के मालवी गांव में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत वेटलिफ्टिंग से की थी और 2016 के साउथ एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया था।

इसके बाद उन्होंने द ग्रेट खली की अकादमी ज्वाइन की और 2017 में डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ कॉन्ट्रेक्ट साइन किया। कविता की डब्ल्यूडब्ल्यूई यात्रा को खास पहचान मिली, खासकर उनकी सलवार सूट में रिंग में उतरने वाली छवि ने लोगों को खूब आकर्षित किया। 2021 में डब्ल्यूडब्ल्यूई से रिलीज होने के बाद कविता अमेरिका में चार साल रहीं और हाल ही में भारत लौटी हैं। अब, वह हरियाणा विधानसभा चुनाव में जुलाना सीट से चुनाव लड़ रही हैं और अपनी राजनीतिक यात्रा में नए मुकाम की ओर बढ़ रही हैं।

विनेश फोगाट जो कांग्रेस से जुलाना सीट पर चुनाव लड़ रही हैं, विनेश विश्व प्रसिद्ध रेसलर हैं और पेरिस ओलंपिक में फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम की सदस्य रह हैं। विनेश की कुश्ती में उपलब्धियों ने उन्हें एक प्रमुख उम्मीदवार बना दिया है। उनका चुनावी करियर कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। विनेश ने जंतर मंतर पर भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया था, और इस धरने में कविता दलाल ने भी उनका समर्थन किया था। यह समर्थन आज भी राजनीतिक परिदृश्य में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जुलाना सीट पर कविता और विनेश के बीच मुकाबला दिलचस्प है। कविता ने हाल ही में आप में शामिल होकर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व से प्रभावित होने की बात की थी। उनकी उपस्थिति ने जुलाना सीट पर मुकाबले को और भी रोमांचक बना दिया है। बीजेपी ने इस सीट पर योगेश बैरागी को उतारा है, जो इस चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बना रहे हैं।

इस मुकाबले में कविता दलाल और विनेश फोगाट की भिड़ंत को लेकर मतदाता उत्सुक हैं। दोनों उम्मीदवारों की अलग-अलग पृष्ठभूमि और उपलब्धियों के बावजूद चुनावी मैदान में उनकी टक्कर दशार्ती है कि हरियाणा की राजनीति में नए चेहरे और नई रणनीतियों की कितनी अहमियत है। जुलाना सीट पर होने वाले इस मुकाबले के परिणामों का इंतजार पूरे राज्य को है। अब देखना है कि जुलाना की जनता किसे अपना विधायक चुनती है।

हरियाणा में भाजपा सरकार की उल्टी गिनती शुरू

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और प्रदेश से इस 'भ्रष्ट' और 'नाकारा' सरकार का जाना तय है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि झूठे वादों और घोटालों के जरिए 10 साल तक जनता को लूटने वाली सरकार को अब हिसाब देना होगा। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, भाजपा को बताना होगा कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के वादे का क्या हुआ? 10 साल में डीजल, खाद और बीज के दाम बढ़ाकर फसलों की लागत कई गुना क्यों बढ़ा दी? 13 माह तक चले किसान आंदोलन और 750 किसानों की शहादत को क्यों गंभीरता से नहीं लिया गया?

हुड्डा अपनी पार्टी के उम्मीदवारों अशोक अरोड़ा (थानेसर), मेवा सिंह (लाडवा) और रामकरण काला (शाहबाद) के साथ इस जिले में थे। काला ने विधानसभा चुनाव के लिए अंतिम दिन नामांकन पत्र दाखिल किए।

इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए हुड्डा ने कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए वोट की अपील की। उन्होंने कहा, लाडवा, थानेसर और शाहबाद से कांग्रेस के उम्मीदवार भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज करेंगे और सरकार में इस क्षेत्र की बड़ी हिस्सेदारी होगी।

हुड्डा ने कहा, लेकिन इस बार हमें जोश के साथ-साथ समझदारी से काम लेना होगा। भाजपा ने साजिश करके वोट काटने वाली कई पार्टियों और उम्मीदवारों को चुनाव में उतारा है। कांग्रेस के वोट काटने के लिए भाजपा के इशारे पर टिकट बांटे गए हैं। उन्होंने कहा, ..आपको सावधान रहना है और कांग्रेस उम्मीदवार को हर वोट डलवाना है और भारी बहुमत से सरकार बनानी है।

हरियाणा चुनाव : 'आप' ने सभी 90 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने उम्मीदवारों की 7वीं लिस्ट जारी कर दी। पार्टी ने लिस्ट में 3 नामों की घोषणा की। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं।

पार्टी ने अपनी आखिरी लिस्ट में आदर्श पाल को टिकट दिया है। जो 12 सितंबर ही कांग्रेस का छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं।

इसके अलावा आप ने नारनौंद से रणवीर सिंह लोहान को चुनावी मैदान में उतारा है, वहीं नूंह से राबिया किदवई को

अपना उम्मीदवार बनाया है।

इस तरह अब तस्वीर साफ हो चुकी है कि हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन नहीं हो रहा है। राज्य में दोनों ही पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ने जा रही है। हालांकि हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस और आप के बीच सीट शेयरिंग को लेकर काफी दिनों तक माथापच्ची हुई। लेकिन दोनों पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग फामूर्ला सुलझ नहीं पाया।

इससे पहले हरियाणा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने अपनी छठी लिस्ट में 19 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। इसमें कालका सीट से ओपी गुज्जर, पंचकूला से प्रेम गर्ग, अंबाला सिटी से केतन शर्मा, मुलाना से गुरतेज सिंह, शाहबाद से आशा पठानिया, पेहोवा से गेहल सिंह संधु, गुहला से राकेश खानपुर, पानीपत सिटी से रितु अरोड़ा , जिंद से वजीर सिंह ढ़ांडा को टिकट दिया है।

अगर 2019 के हरियाणा विधानसभा चुनाव की बात करें तो, राज्य में भारतीय जनता पार्टी और जेजेपी ने गठबंधन के साथ सरकार बनाई थी। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों दलों के बीच सहमति नहीं बन पाई थी। इसके बाद जेजेपी ने भाजपा से गठबंधन तोड़ने का ऐलान किया था। इस वक्त राज्य में भाजपा की सरकार है और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हैं।

राशन किट वितरण के जरिए पेश की समाज सेवा की मिसाल

मेरा गांव मेरा देश फाउंडेशन समाज सेवा क्षेत्र का एक बड़ा नाम है। संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में इस संस्थान ने तकरीबन 500 से भी ज्यादा लोगों के बीच राशन और कंबल वितरण का कार्य किया। यह संस्था समय-समय पर आम लोगों तक अपनी सेवाएं पहुंचाती रही है। पिछले कई वर्षों से संजय सिंह लोगों के स्वार्थ समाज सेवा के कार्य से जुड़े रहे हैं। अपने स्नातक की शिक्षा के बाद इन्होंने सेवा कर्म को अपना ध्येय बनाया और देशभर के स्कूलों में बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के अभियान से जुड़ गए। न केवल देश की राजधानी दिल्ली में अपितु बिहार के वैशाली जिलों में इन्होंने शिक्षा की मुहिम को आगे बढ़ाया है। आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में खासतौर से बच्चियों को स्कूल से जोड़ने

की इनकी मुहिम काफी चर्चा में रही। जाति पांति, ऊंच नीच और सामाजिक विषमता से परे इन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से आर्थिक रूप से असक्त बच्चियों को शिक्षा के मुहिम से जोड़ा है। भीषण महामारी कोरोना के दौर में इन्होंने 5000 से भी ज्यादा जरूरतमंद लोगों तक राशन और मेडिकल सुविधाएं पहुंचाई। इनका फाउंडेशन मेरा गांव मेरा देश फाउंडेशन बच्चियों की शिक्षा और महिलाओं की आजीविका के लिए पूर्णतःसमर्पित एक गैर सरकारी संस्था है। एक खास मकसद और संकल्प सिद्धि के साथ संजय शिक्षा और आजीविका के कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। देश की सभी बच्चियों विशेषतौर से ड्रॉपआउट बच्चियों को शिक्षित करने का उनका उद्देश्य अब एक बड़ी मुहिम का रूप ले चुकी है। शिक्षा की जड़ें मजबूत हो इसलिए वे व्यापक संपर्क जन अभियान के जरिए भी लगातार लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

संजय ने कई जन जागरूकता अभियानों में हिस्सा लिया है और बड़े बड़े मंचों से अपनी बात सशक्तता से रखी है। वे देश के मुद्दों पर खुलकर बोलते हैं और अपने विचार से लोगों में प्रेरणा का उत्साह करते हैं।

श्री धार्मिक लीला कमेटी का रामलीला मंचन के लिए भूमि पूजन

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

श्री धार्मिक लीला कमेटी दशहरा के अवसर पर माधवदास पार्क, लालकिला मैदान (पुरानी लाजपत राय मार्केट के सामने) प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी रामलीला मंचन कराने के लिए भूमि पूजन किया। भूमि पूजन श्री जानकी मंदिर जनकपुर नेपाल के महंत राम रोशन दास ने किया। भूमि पूजन कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ मुरली मनोहर जोशी, मुख्तार अब्बास नकवी व मीरा कुमार, सांसद योगेंद्र चांदोलिया, मनोज तिवारी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के अलावा फिल्म अभिनेता बिंदु दारा सिंह (रामलीला में हनुमान जी की भूमिका निभाएंगे), अभिनेता शाहबाज खान (रामलीला में रावण की भूमिका निभाएंगे), अभिनेत्री शिल्पा रायजादा (सीता की भूमिका निभाएंगी), पूर्व विधायक अलका लांबा समेत बड़ी संख्या में अनेक नेताओं ने भगवान राम के दरबार की पूजा अर्चना की।

फोटो : कमलजीत

इस मौके पर कमेटी के चेयरमैन सुरेश गोयल, महासचिव धीरजधर गुप्ता एवं सचिव प्रदीप शरण, कमेटी के प्रवक्ता रवि जैन ने सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर और फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। कमेटी ने रामलीला मंचन करते हुए 100 वर्ष गए हैं। इस तरह कमेटी ने अपने स्थापना के 101वें वर्ष में प्रवेश कर लिया है। इस मौके पर नेताओं ने कहा कि रामलीला मंचन कराना एक सराहनी कदम है। रामलीला मंचन देखकर हमें भगवान राम के जीवन से प्रेरणा मिलती है और हम उनके पदचिन्हों पर चलकर अपने घर, परिवार, इलाके एवं देश का कल्याण करने का प्रयास करते है। इसके अलावा अपने माता-पिता का सम्मान और बच्चों को प्यार करने मंत्र मिलता है। वहीं युवा पीढ़ी देश की संस्कृति से रूबरू होती है और उसे अपना लक्ष्य तय करने और उसे प्राप्त करने में मदद मिलती है। रामलीला मंचन से बुराइयों से दूरी बनती है और सत्य के मार्ग पर चलने मन करता है।

कर्म और पुनर्जन्म

मनुष्य के कर्म ही उसके पुनर्जन्म का आधार हैं। कर्मों का फल भोगने के लिए ही मनुष्य को बार-बार जन्म लेना पड़ता है। इस जन्म में किए हुए कर्मों से ही भविष्य में जन्म प्राप्त होता है। जिस प्रकार मक्खी लोभवश शहद पर टूट पड़ती है और उसका रस लेने के साथ-साथ वह उसमें ज्यादा लिपटती जाती हैं और अंत में मृत्यु को प्राप्त हो जाती है; उसी प्रकार मनुष्य भी इस कर्म-जंजाल में फंस कर मृत्यु को प्राप्त होता है और फिर कर्मफल के भोग के लिए पुनर्जन्म धारण करता है।

पुनरपि जननं पुनरपि मरणं पुनरपि जननीजठरे शयनम् अर्थात् कर्मों में आसक्ति के कारण जीव संसार में बार-बार जन्म, बार-बार मृत्यु और बारंबार माता के गर्भ में रहने के दुष्चक्र में फंसता रहता है।

कर्म ही विभिन्न योनियों में जन्म का आधार हैं

प्रत्येक कर्म के साथ कोई कामना जुड़ी रहती है। जीवन भर में जो कामना सबसे ज्यादा प्रबल होती है, वही अंतकाल में मृत्यु के समय उभर आती है। उसी को स्मरण करते हुए जीव जब शरीर त्यागता है, तब उसी के अनुरुप पुनः दूसरी योनि में जन्म ग्रहण करता है।

भगवान ऋषभदेव के पुत्र सम्राट भरत महान त्यागी, भगवद्भक्त व पृथ्वी के एकच्छत्र सम्राट थे। उनके नाम पर ही इस देश का नाम भारत वर्ष पड़ा। पहले इस देश का नाम अजनाभ वर्ष था। अंत समय में हिरन के बच्चे में आसक्ति के कारण उसी का स्मरण करने से उन्हें अगले जन्म में मृग होना पड़ा।

प्रत्येक कर्म का जीव के चित्त पर एक चित्र सा बन जाता है। यही है चित्रगुप्त का लेखा जिसके आधार पर जीवन भर के हमारे शुभ-अशुभ कर्मों का लेखा-जोखा होता है। इसी के आधार पर मृत्यु-पर्यन्त जीव को उत्तम या अधम योनियां प्राप्त होती हैं।

एक ही गलत कर्म से राजा इंद्रद्युम्न को हाथी (गजेंद्र) की योनि मिली, साक्षात इंद्र का पद प्राप्त होने पर भी नहुष को सर्प बनना पड़ा, मानव शरीर में जितने रोम हैं, उतनी गायों का दान करने वाले राजा नृग को गिरगिट बनना पड़ा।

कर्म कैसे बंधन और पुनर्जन्म का कारण बन जाते हैं, यह इस कथा से स्पष्ट है—एक महात्मा का कोई सेठ भक्त था। महात्मा के पास एक लाख रुपये थे, जो उसने अपने भक्त सेठ के पास सुरक्षित रखवा दिए थे। एक बार आश्रम बनवाने के लिए जब महात्मा ने सेठ से रुपये वापिस मांगे तो सेठ की नीयत खराब हो गई और वह रुपए देने से मुकर गया।

कुछ समय बाद महात्मा की मृत्यु हो गई। कहते हैं कि वही महात्मा सेठ के घर पुत्र रूप में उत्पन्न हुआ और धीरे-धीरे उसने सेठ की सारी संपत्ति व्यसन और बीमारी में व्यय करा दी और फिर उसकी मृत्यु हो गई। ऐसा होता है कर्मों का फल। कहा गया है—'चोरी का पैसा नाली में ही जाता है।'

पुनर्जन्म से मुक्ति कैसे हो ?

प्रश्न यह है कि ऐसी स्थिति में मनुष्य क्या करे ? क्या इसी प्रकार विवश होकर कर्मबंधन के फल के रूप में संसार में आवागमन के चक्र में ही पड़ा रहे ?

इसका उत्तर है—नहीं।

गीता में भगवान की आज्ञा है कि ह्यतुम्हारा कर्म करने में ही अधिकार है फल में नहीं। अतः तुम कर्मफल की इच्छा करने वाले मत बनो और कर्मों को छोड़ देने का भी विचार मत करो। फल और आसक्ति को छोड़ कर सिद्धि-असिद्धि को समान समझ कर निरंतर मेरा स्मरण करते हुए मेरे लिए सब कर्म करते रहो।

भगवान के इन वाक्यों का भाव है कि मनुष्य हर स्थिति में अनासक्त रहे—

तेरे कांटों से भी प्यार,
तेरे फूलों से भी प्यार,
जो भी देना चाहे दे दे,
दुनिया के तारन-हार।।

अनासक्ति का यह भाव ही उसे संसार में आवागमन के भीषण चक्र में पड़ने से बचायेगा। जिस तरह सूखे और गीले मिट्टी के गोलों को यदि दीवार पर फेंका जाए तो उनमें से गीला गोला ही दीवार पर चिपकता है सूखा नहीं; उसी तरह जो सकाम कर्म हैं, किसी कामना से किए जाते हैं, वही मनुष्य को पुनर्जन्म के बंधन में बांधते हैं, निष्काम कर्म नहीं।

गीता (५।१०) में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं—कर्म तो तुझे करना ही पड़ेगा, कर्म किए बिना तू रह नहीं सकता, तो अकलमंदी इसी में है कि जो करे उसे ब्रह्मार्पण कर दे, अनासक्त होकर कर्म कर, फिर तू कर्मों के फल से उसी तरह निर्लिप्त रहेगा जैसे जल में रहते हुए कमल।

जल में जैसे कमल है रहता,
जग में वैसे रहना है

कितना निर्लिप्त व अछूता रहता है कमल सरोवर में जल से ! पैदा होता है पानी में, बढ़ता-पनपता भी पानी में है, विकसित भी पानी में होता है, पानी में ही खिलता है, पानी में ही आठों पहर बसता है; परंतु पानी से सर्वथा अछूता, पानी को वह अपने ऊपर ठहरने ही नहीं देता, अपने से चिपकने नहीं देता, पानी आया तुरंत उसे लुढ़का कर फेंक देता है।

इसी तरह कमल का आदर्श लेकर मनुष्य को संसार में सभी कर्मों को परमात्मा को अर्पित करके उनके कर्मफल व पाप-पुण्य से निर्लिप्त रहना चाहिए। तब वही कर्म उसके मोक्ष का द्वार खोल देंगे।

कोई भी वस्तु जब भगवदर्पित कर दी जाती है तब उसका महत्व बढ़ जाता है। भौतिक पदार्थ भी ईश्वर को समर्पित होने के बाद ईश्वरीय होकर विलक्षण गुणों से संपन्न हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में निष्काम कर्म को भगवान को अर्पित करने से उनका महत्व कितना बढ़ जाता है, इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

गीता (१२।६-७) में भगवान के वचन हैं—'हे अर्जुन ! जो साधक मेरे परायण होकर समस्त कर्मों को मेरे समर्पण करके अनन्य योग से निरंतर मेरा चिंतन करते हुए मुझे भजते हैं, उन मुझमें चित्त लगाने वाले प्रेमी भक्तों का इस मृत्यु रूप संसार-समुद्र से मैं शीघ्र ही उद्धार कर देता हूँ।

संसार के आवागमन से मुक्ति सुकर्मों से नहीं मिलती; बल्कि कर्मफल से कुछ भी सम्बन्ध न रख कर 'कर्म संन्यास' से मिलती है।

गीता के अनुसार जो कर्म परमात्मा की प्रसन्नता के लिए, लोककल्याण के लिए, सब लोगों के उद्धार के लिए, आसक्ति, स्वार्थ और कामना को त्याग कर किया जाता है, वह बांधता नहीं और यह 'यज्ञ' है। कर्मों में कर्तापन का त्याग और फल की इच्छा का त्याग करने से मनुष्य मुझे अर्थात मोक्षरूपी फल प्राप्त कर लेता है। यही 'कर्म संन्यास' है।

हमारे चारों ओर विराजमान प्रकृति— नदी-तालाब, वृक्ष, बादल, सूर्य, चंद्रमा, वायु, अग्नि, आदि निष्काम कर्म और सेवा के सबसे अच्छे उदाहरण हैं, जिनसे हमें शिक्षा लेनी चाहिए।

जीवन सेवा के लिए है, भोग के लिए नहीं—जो कर्म अपने लिए किए जाते हैं, वे 'भोग' हैं और जो दूसरों के लिए किए जाते हैं वे 'सेवा' है—यह बात (योग) यदि जीवन में उतार लें तो जीवन यज्ञमय हो जाएगा। कर्म के साथ योग का सम्बन्ध होने पर वह मनुष्य को परम-धाम तक पहुंचाने वाला ब्रह्मयान बन जाता है

संकलन: ज्योति राठौर

राशिफल साप्ताहिक
15 से 21 सितम्बर 2024

मेष: इस सप्ताह ग्रहों स्थिति आपके अनुकूल रहेंगी। लेकिन किसी भी कार्य को करने से पहले प्रॉपर प्लानिंग और किसी बुजुर्ग या एक्सपर्ट की सलाह जरूर लेलें। आपका नुकसान होने से बच सकता है। युवा वर्ग तथा छात्र अपने करियर और पढ़ाई के प्रति पूरी तरह गंभीर रहेंगे और उनका पढ़ाई में भी मन लगेगा। इस सप्ताह आपको आर्थिक जीवन में भाग्य का साथ जरूर मिलेगा।

वृषभ: इस सप्ताह आपको व्यापार में रुकी हुई पेमेंट मिल सकती है। इसलिए प्रयासरत रहें। व्यापार अच्छा चलेगा। लेन-देन करते समय कुछ सावधानी बरतें। साथ ही इस सप्ताह किसी पारिवारिक समस्या से निजात मिल सकती है। निगेटिव लोगों से दूरी बनाकर रखें, तो बेहतर होगा। इस सप्ताह खर्चे ज्यादा हो सकते हैं, जिससे आपका बजट बिगड़ सकता है।

मिथुन: इस सप्ताह किसी निकट संबंधी के साथ कोई गंभीर मुद्दे पर बातचीत हो सकती है और आप कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। आपके और आपकी सेहत के लिए क्या अच्छा है और क्या गलत, ये बात सिर्फ आपसे बेहतर कोई दूसरा नहीं समझ सकता। सही फैसले को लेते समय अपने दिमाग को शांत रखें, और जितना संभव हो खुद को व्यसनों से दूर ही रखें। तो बेहतर होगा।

कर्क: इस राशि के जो लोग पहले से ही विदेशी कंपनी में कार्यरत हैं, उन्हें इस सप्ताह कोई बड़ी पदोन्नति या लाभ मिलने की प्रबल संभावना बनती दिखाई दे रही है, जिसके कारण कार्यस्थल पर आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की सराहना करेंगे और आपके सहकर्मी भी इस दौरान आपको पूरा समर्थन देते हुए नजर आयेंगे।

सिंह: इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य, सामान्य से काफी बेहतर रहेगा। जिसके कारण आप बेहतर सेहत का आनंद लेते दिखाई देंगे। यदि आप किसी पुरानी समस्या से पीड़ित थे तो उससे निजात मिल सकती है। इस हप्ता आप अपने अंदर अद्भुत आत्मविश्वास और आत्मबल महसूस करेंगे।

कन्या: इस सप्ताह आपको अपने अंदर, जरूरी आत्मविश्वास की कमी की अनुभूति हो सकती है। जिस कारण आप कोई आवश्यक निर्णय भी नहीं ले सकेंगे और व्यापार या कार्यक्षेत्र में कोई डील आपके हाथ से फिसल सकती है। हां जो लोग रोजगार की तलाश में हैं, उन्हें इस सप्ताह नई नौकरी का प्रस्ताव आ सकता है।

तुला: इस सप्ताह सेहत से जुड़ी कुछ समस्या, आपके कार्यक्षेत्र के किसी महत्वपूर्ण कार्य को बाधित कर सकती हैं। इसलिए पेचीदा हालातों में फंसने पर उससे घबराएं नहीं, बल्कि बहादुरी के साथ डटकर उसका सामना करें। अपने नजदीकी लोगों से चल रही गलतफहमियां दूर होंगी। धार्मिक तथा अध्यात्मिक क्रियाकलापों में भी उचित समय व्यतीत होगा।

वृश्चिक: इस सप्ताह आपके मन में नकारात्मक विचार हावी रह सकते हैं। जिसके कारण अगर आपके साथ कुछ अच्छा भी होगा, तो भी आप उसे नकारात्मक दृष्टि से ही देखते दिखाई देंगे। इस कारण आप व्यापार में कुछ नई डील करने में असफल रहेंगे। लाभ की दृष्टि से इस सप्ताह व्यवसाय में स्थिति कुछ अनुकूल रहेगी।

धनु: शनि देव की कृपा से आपको किसी पुराने रोग से मुक्ति मिल सकती है। व्यापारी वर्ग के लोग इस सप्ताह किसी भी व्यक्ति को उधारी सोच-समझकर दें। व्यवसायिक गतिविधियो में कुछ बेहतर होने की अभी संभावना नहीं है, इसलिए नए माध्यमों से धन कमाने का प्रयार करें। इस सप्ताह कई घरेलू मोर्चे पर, कुछ न कुछ छोटी-मोटी समस्या खड़ी होती रहेंगी।

मकर: इस सप्ताह ग्रहों की स्थिति आपके लिए अनुकूल बन रही है। इस दौरान समाज और परिवार में आपके किसी उचित कार्य की प्रशंसा होगी। सभी काम व्यवस्थित रूप से करने तथा समन्वय बनाकर रखने में भी कामयाबी मिलेगी। अगर आप विदेश से व्यापार कर रहे हैं, तो आपको धनलाभ हो सकता है। दांपत्य जीवन में संबंध मधुर रहेंगे। पति- पत्नी एक दूसरे की भावनाओं की कद्र करेंगे।

कुंभ: इस सप्ताह आप भूमि का क्रय-विक्रय कर सकते हैं। जिससे आपको भविष्य में फायदा हो सकता है। ये सप्ताह किसी भी नए काम की शुरूआत या कहीं पर निवेश करने के लिए अनुकूल है। ऐसे में अगर आप इस दौरान निवेश या नया काम शुरू करते हैं तो आपको अच्छा लाभ होना संभव है।

मीन: इस सप्ताह परिवार के किसी सदस्य के सामने आपका कोई ऐसा राज या भेद उजागर हो सकता है, जिसके चलते आपको बहुत शर्मिंदगी का अहसास हो सकता है। अविवाहित लोगों को विवाह का प्रस्ताव आ सकता है। वाहन संभालकर चलाएं, दुर्घटना के योग बने हुए हैं।

भारत के पर्यटन स्थल

संकलन: स्वाति चतुर्वेदी

दिल्ली - दिलवालों का शहर

भारत की राजधानी दिलवालों की दिल्ली के नाम से मशहूर है। यह शहर यहाँ मौजूदा ऐतिहासिक इमारतों, मंदिरों, बाजारों आदि के लिए पूरे देशभर में विख्यात है। कहीं से भी आने वाला व्यक्ति दिल्ली अवश्य आता है और इसका ये कारण है कि उन्हें यहाँ का वातावरण मैत्रीपूर्ण लगता है। अगर आप कुछ पल शांति के बिताना चाहते हैं तो कमल मंदिर आपके लिए सर्वश्रेष्ठ पसंद होगी। यदि आप शोर-गुल पसंद करते है तो चाँदनी चौक जाइए। लाल किला, इंडिया गेट, अक्षरधाम मंदिर, जामा मस्जिद, सरोजिनी नगर बाजार आदि बहुत सी जगह घूम कर अपना सफर यादगार बनाइए।

आगरा - ताजमहल का शहर

भारत दर्शनीय स्थल में आगरा का नाम बेझिझक लिया जाता है क्योंकि दुनिया के सात अजूबों में से एक अजूबा यहीं स्थित है। ताजमहल की असीम सुंदरता प्रेम की दास्तान बयान करती है। सफेद संगमरमर से बने ताजमहल को शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की स्मृति में बनवाया था। इसके पिछली तरफ यमुना नदी बहती है। यहाँ की एक और चीज मशहूर है और वो है स्वादिष्ट आगरा का पेठा, जिसका स्वाद आपकी जबान पर बना रहेगा।

जयपुर - गुलाबी शहर

'गुलाबी शहर' के नाम से जाना जाने वाला यह शहर राजस्थान में स्थित है। यह शहर विभिन्न प्रकार के किलों एवं प्राचीन इमारतों से भरा पड़ा है। भारत के पर्यटक स्थलों में जयपुर एक अभिन्न हिस्सा है। लोगों के बीच सबसे ज्यादा प्रख्यात है हवा महल।अगर यहाँ आकर आपने हवा महल नहीं देखा तो आपकी यात्रा अधूरी है। राजस्थानियों के बीच रहकर आप खुद को.कभी बेगाना नहीं समझेंगे क्योंकि इनकी बोली में अपनापन है। आप यहाँ अंबेर किला, जयगढ़ किला, नाहरगढ़ किला, जंतर-मंतर, रामबाघ महल आदि घूम सकते हैं।

दार्जिलिंग - पहाड़ों की रानी

भारत के प्रमुख पर्यटन स्थल में से एक दार्जिलिंग भी है जिसे 'पहाड़ियों की रानी' भी कहा जाता है। एक ओर मन को विलुप्त करने वाले पहाड़ हैं तो दूसरी तरफ हरे-भरे खूबसूरत चाय के बागान।यह विश्व की सर्वश्रेष्ठ चाय का उत्पादन करने वाला क्षेत्र है। अन्य आकर्षित स्थान हैं- टाइगर हिल, टॉय ट्रेन, पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल पार्क और हैप्पी वैली टी एस्टेट।

कश्मीर - भारत का स्वर्ग

कश्मीर को भारत का स्वर्ग कहा जाता है। इस जगह की हसीन वादियाँ आपको इस कदर वश में कर लेंगी कि आप बस इसे के होकर रह जाएंगे। बर्फ से ढके ऊँचे पहाड़ और पेड़-पौधे देखकर आप प्रकृति के रंग में रंग जाएंगे और आपको ऐसा महसूस होने लगेगा की आप इन पत्तों की सरसराहट की भाषा समझ रहे हैं। झील से गिरती पानी की लहर आपको अपनी बाँहों में समेट लेंगी। आप को यकीनन स्वर्ग जैसी अनुभूति होगी। गुलमार्ग, डल झील, सोनमार्ग, पहलगाम आदि जैसी खूबसूरत स्थान आपको मग्न कर देंगे और आप यहाँ बार-बार आना चाहेंगे।

लेह/लद्दाख - बर्फ की चादर से घिरा शहर

जम्मू कश्मीर के पूर्वी भागों में स्थित लद्दाख लेह की राजधानी है और भारत के पर्यटन स्थल में से सबसे लोकप्रिय है। गर्मियों के मौसम में यह पर्यटकों से घिरी रहने वाली जगहों में से एक है जहाँ आप रास्तों को बर्फ.की मोटी चादरों से ढका पाएंगे। इस जगह के दो पहलू हैं - पहला आपको आल्ची, थिकसे, लामायुरु आदि जैसे मठों के दर्शन करा कर आध्यात्मिकता में डूबो देगा और दूसरा आपको माउंटेनियरिंग, राफ्टिंग, ट्रैकिंग आदि चीजें से रोमांचित कर देगा। आप यहाँ अपने मित्रों के साथ एक बार तो अवश्य आएं और आनंदविभोर हो जाऐं।

दिल्ली में खुला 50 बेड का इलेक्ट्रो होम्योपैथी कैंसर अस्पताल

॥ मनोज शर्मा ॥

बी.आर. हेल्थकेयर और देवी अहिल्या कैंसर पेन एंड पैलिएटिव केयर सेंटर ने कैंसर के इलाज के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की घोषणा की है। दोनों संस्थानों ने मिलकर एक नए पैलिएटिव केयर सेंटर की स्थापना की है, जो कैंसर के मरीजों के लिए विशेष देखभाल और राहत प्रदान करेगा। राजधानी दिल्ली में खुला यह 50 बेड का इलेक्ट्रो होम्योपैथी अस्पताल कैंसर से पीड़ित मरीजों को बिना कीमो, रेडिएशन और सर्जरी के दर्द और जलन से राहत दिलाने के लिए इलेक्ट्रो होम्योपैथी के माध्यम से उपचार प्रदान करेगा।

मुख्य अतिथि, ओम जैन ने कहा, "यह केंद्र कैंसर मरीजों के लिए समर्पित एक अनूठा प्रयास है। बिना किसी सर्जरी या कीमोथेरेपी के, मरीजों को इलेक्ट्रो होम्योपैथी के माध्यम से एक किफायती और प्रभावी इलाज मिलेगा। यह कदम देश की राजधानी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।"

विशेष अतिथि, अनिल शास्त्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, "कैंसर के मरीजों के लिए ऐसा समर्पित केंद्र होना बहुत ही सराहनीय है। यह सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि मरीजों और उनके परिवारों के लिए एक संपूर्ण सहारा है, जो उन्हें जीवन की कठिनाइयों से लड़ने की शक्ति देगा।"

देवी अहिल्या कैंसर पेन एंड पैलिएटिव केयर सेंटर के संस्थापक, डॉ. अजय हार्डिया ने कहा, "हमारा उद्देश्य इलेक्ट्रो होम्योपैथी के माध्यम से कैंसर मरीजों को उनके इलाज के दौरान बेहतर जीवन की दिशा में बढ़ाना है। हम बिना किसी दुष्प्रभाव के कैंसर के दर्द को कम करने और मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

इस नए केंद्र की घोषणा के मौके पर, देवी अहिल्या कैंसर पेन एंड पैलिएटिव केयर सेंटर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती मनीषा शर्मा ने विशेष रूप से महिलाओं के कैंसर इलाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "हमारा उद्देश्य है कि कैंसर से प्रभावित महिलाओं को न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी समर्थन प्रदान किया जाए। हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथी के माध्यम से, हम उन्हें एक स्वस्थ और सशक्त भविष्य की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

बी.आर. हेल्थकेयर के निदेशक, डॉ. कौशल गांगिल ने इस अवसर पर कहा, "भारत में कैंसर मरीजों की बढ़ती संख्या एक बड़ी चुनौती है। इस नए पैलिएटिव केयर सेंटर की स्थापना के साथ, हम कैंसर मरीजों को राहत देने और उनकी जीवन गुणवत्ता को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। हमारा उद्देश्य कैंसर के मरीजों को एक ऐसा इलाज देना है जो उन्हें बेहतर जीवन जीने में मदद करे।"

इस नए केंद्र के माध्यम से, बी.आर. हेल्थकेयर और देवी अहिल्या कैंसर पेन एंड पैलिएटिव केयर सेंटर ने कैंसर के इलाज में एक नई दिशा प्रस्तुत की है, जो मरीजों को राहत और एक नई जिंदगी की उम्मीद देती है।

मुख्य विशेषताएं

- औषधीय पौधों पर आधारित इलाजः यहां इलेक्ट्रो होम्योपैथी दवाओं का उपयोग किया जाता है, जो कैंसर के मरीजों को त्वरित राहत प्रदान करती हैं और दर्द में कमी लाती हैं।
- बिना कीमो, रेडिएशन और सर्जरी के इलाजः इस पद्धति के माध्यम से कैंसर का इलाज किया जाता है, जिससे मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।
- कोई दुष्प्रभाव नहींः इस उपचार विधि का कोई दुष्प्रभाव नहीं है, और कई मरीजों ने जीवन में वृद्धि का अनुभव किया है।
- विशेषज्ञ कॉउंसलिंगः अनुभवी चिकित्सकों द्वारा प्रदान की गई कॉउंसलिंग, मरीजों को मानसिक रूप से सशक्त बनाती है और कैंसर से लड़ने का आत्मविश्वास देती है।
- उच्च तकनीक से लैस उपकरणः बायो एनर्जी इमेजिंग मशीन से मरीजों के ऊर्जा स्तर की जाँच की जाती है, जिससे उनके स्वास्थ्य में हो रहे सुधार को मॉनिटर किया जा सकता है ।

उपलब्ध सुविधाएं

- 50 बेडेड अस्पताल
- ओपीडी एवं कॉउंसलिंग
- आधुनिक इलेक्ट्रो होम्योपैथी लैब
- बायो एनर्जी इमेजिंग मशीन
- प्राइवेट और सेमी प्राइवेट कमरे
- कुशल नर्सिंग स्टाफ
- किफायती इलाज
- आईसीयू

हार्ट अटैक के बाद क्या करें और क्या नहीं

आज के समय में ज्यादा तनाव, खराब लाइफस्टाइल, पोषक तत्वों की कमी और एक्सरसाइज न करने की वजह से हार्ट संबंधी बीमारियां होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता हैं। हार्ट संबंधी बीमारिया कई प्रकार की होती है ,इसमें एक हैं हार्ट अटैक। हार्ट अटैक होने पर व्यक्ति को ऑपरेशन की जरूरत पड़ती है और इसमें कई बार 3 दिन से लेकर 7 दिन तक हॉस्पिटल में भी रहना पड़ता है। हॉस्पिटल से आने के बाद भी पेशेंट को खास देखभाल की जरूरत होती है और कुछ दिन तक कई तरह की सावधानियां भी फॉलो करनी पड़ती हैं। हार्ट अटैक होने के बाद शरीर को रिकवर होने में कुछ समय लग सकता है। लेकिन लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके और डाइट का विशेष तौर पर ख्याल रखकर रिकवरी जल्दी और बेहतर ढ़ंग से होने में मदद मिलती है। हार्ट अटैक के बाद क्या करें और क्या नहीं इस बारे में जानकारी के लिए बात की राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल की सीनियर सर्जन और मैया सोशल चेंज फ्रंट फाउंडेशन की डायरेक्टर डॉक्टर दिव्या सिंह से।

हार्ट अटैक होने के बाद क्या करें

समय पर डॉक्टर को दिखाएं

हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद भी इस बात का ख्याल रखें कि डॉक्टर को समय-समय पर अवश्य दिखाते रहें। अपनी सभी दवाइयां समय पर लें। डॉक्टर से कुछ दिनों के बाद रेगुलर चेकअप करवाते रहे। ऐसा करने से रिकवर होने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर डॉक्टर को अवश्य बताएं।

हेल्दी डाइट का सेवन करें

हार्ट अटैक के बाद रिकवरी के लिए ये बहुत जरूरी हैं कि आप हेल्दी डाइट का सेवन करें। हेल्दी डाइट के सेवन से आप जल्दी से ठीक होगे। डाइट में फल, सब्जियों, साबुत अनाज और प्रोटीन के सेवन को बढ़ाएं। डाइट में ऐसे फूड्स को शामिल करें, जो आसानी से पच जाएं। अगर आपको डायबिटीज है, तो ब्लड शुगर को अवश्य कंट्रोल में रखें।

हल्की एक्सरसाइज करें

शरीर को हेल्दी रखने के लिए एक्सरसाइज करना जरूरी होता है। हार्ट अटैक के बाद रिकवर होने के लिए हल्की एक्सरसाइज की जा सकती है। लेकिन इनको करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह अवश्य लें। साथ ही फिजिकली एक्टिव रहने के लिए हल्की वॉक भी कर सकते हैं।

हार्ट अटैक होने के बाद क्या न करें

तनाव न लें

हार्ट अटैक के बाद शरीर को रिकवर होने में समय लग सकता है। ऐसे में जल्दी रिकवरी होने के लिए तनाव से दूरी बना लें। इस बात का खास ख्याल रखें कि आपको किसी बात की टेंशन न हो। तनाव कम करने के लिए अपना पसंदीदा काम करें, हल्का म्यूजिक सुनें, ध्यान लगाएं और ऐसे लोगों के साथ रहें, जो भावनात्मक रूप से आपको मजबूत बनाएं।

स्मोकिंग न करें

स्मोकिंग शरीर के लिए हानिकारक होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हार्ट अटैक के बाद भी अगर आप स्मोकिंग करते हैं, तो इसका सीधा असर आपके हार्ट पर पड़ सकता है। साथ ही स्मोकिंग की वजह से आपको कई और तरह की गंभीर बीमारियां भी हो सकती हैं।

हार्ट अटैक के बाद रिकवरी होने के लिए इन टिप्स को फॉलो किया जा सकता हैं। हालांकि, इनको करने से पहले एक बार अपने डॉक्टर की राय भी अवश्य लें।

गलत खानपान की आदतों का पड़ सकता है किडनी पर बुरा असर

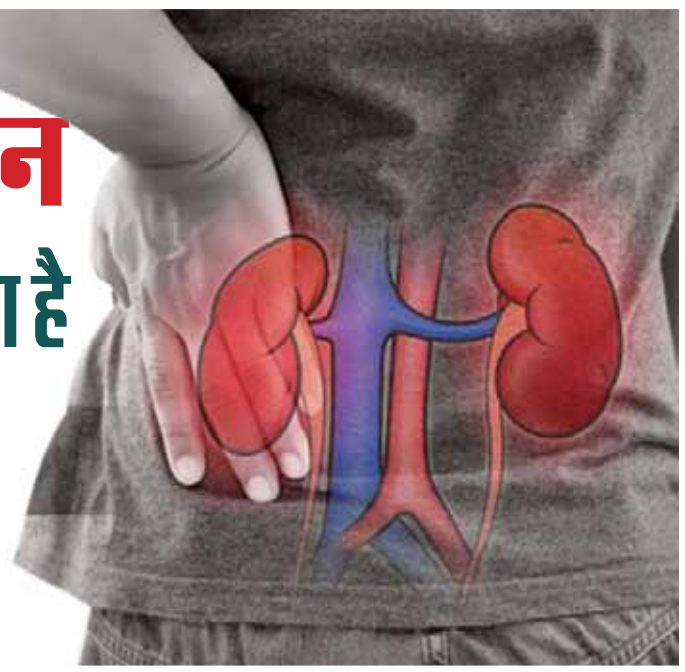

गुर्दे की विफलता या फिर किडनी का फेल होना आज के समय में एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। हर साल किडनी फेल होने से मरने वाली की संख्या बढ़ती जा रही है। किडनी के फेल होने का मुख्य कारण लोगों की गलत खानपान की आदतें और अनहेल्दी लाइफस्टाइल है। किडनी हमारे शरीर का जरूरी अंग मानी जाती है और इसके बिना हमारे शरीर के काम करने की क्षमता ना के बराबर हो जाती है। यह हमारे शरीर से एक्स्ट्रा फ्लूड, टॉक्सिक पदार्थ को बाहर निकालने का काम करती है। इसके अलावा किडनी शरीर में पानी, नमक, मिनिरल्स की संतुलित मात्रा बनाए रखने में भी मदद करती है। अगर किडनी का स्वास्थ ठीक न हो तो शरीर की नसे, कोशिकाएं और मसल्स भी सही तरीके से काम नहीं कर सकती हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक किडनी को स्वस्थ रखने के लिए हमें अपने खानपान और जीवनशैली का खास ध्यान रखना चाहिए।

किडनी फेल होने से बचाने के उपाय

– हर दिन हेल्दी खाना खाएं और फिजिकल एक्टिविटीज पर भी ध्यान दें।

– शरीर में पानी की कमी न होने दें, लेकिन ज्यादा पानी का सेवन करना भी अच्छा नहीं है।

– रोजाना सिमित मात्रा में ही नमक का सेवन करें।

– ताजा खाना खाएं, बासी खाना किडनी को नुकसान पहुँचाता है।

– शराब का सेवन करना किडनी खराब होने की बड़ी वजह है, इसलिए इसकी लत को छोड़ दें।

– धुम्रपान भी किडनी पर बुरा असर डालता है।

– पेन किलर का अधिक सेवन करने से बचें।

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए इन फूड्स का करें सेवन

– नींबू में विटामिन सी और साइट्रिक एसिड मौजूद होता है जो बॉडी के पीएच लेवल को बैलेंस करने में मदद करता है।

– अदरक में भरपूर मात्रा में आयरन, आयोडीन, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर में जमा विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

– बंद गोभी में मौजूद फाइबर और फॉलिक एसिड जैसे पोषक तत्व किडनी को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

मोदी ने भारतीय पैरा-एथलीटों से की मुलाकात

सुमित अंतिल-नवदीप ने साझा किए अनुभव

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सफल अभियान के बाद अपने आवास पर भारत के पैरालिंपिक एथलीटों से बातचीत की, जिसमें भारतीय दल ने 29 पदक जीते, जो देश के इतिहास में सबसे अधिक है और टोक्यो में पिछले सर्वश्रेष्ठ 19 से 10 अधिक है। भारत ने पेरिस में अपने ऐतिहासिक अभियान में सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य पदक जीते। दल मंगलवार, 10 सितंबर को वापस लौटा और सबसे पहले पीएम मोदी से मिला और फिर नई दिल्ली में एक सम्मान समारोह आयोजित किया।

मोदी ने एथलीटों से पेरिस पैरालिंपिक के अपने अनुभव साझा करने को कहा और निषाद कुमार, सुमित अंतिल, कपिल परमार, योगेश कथुनिया और सिमरन शर्मा सहित कई लोगों ने अपने अनुभव साझा किए।

भाला फेंक एथलीट अंतिल, जिन्होंने 70.11 मीटर थ्रो के साथ अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा, ने अपनी उपलब्धि प्रधानमंत्री को समर्पित की। एंटिल ने कहा, "यह मेरा लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है। मुझे अभी भी याद है कि जब मैंने टोक्यो में स्वर्ण पदक जीता था, तो आपने मुझसे वादा किया था कि 'मुझे आपसे दो स्वर्ण पदक चाहिए'। इसलिए, दूसरा पदक आपके लिए है क्योंकि पैरालिंपिक से पहले 'स्वर्ण पदक बचाने के लिए सबसे पसंदीदा' लेख पढ़कर मैं काफी घबरा गया था।"

उन्होंने कहा "मेरा नाम भी उस सूची में था। लेकिन जब मैंने 20 अगस्त को आपसे बात की, तो मुझे टोक्यो का वह पल याद आ गया कि मुझे इसे फिर से करना है। मेरी पूरी टीम, फिजियो और कोच आपके आभारी हैं क्योंकि हमें लगता है कि अगर मैं पदक जीतता हूं, तो हम आपसे मिलेंगे और आपसे बात करेंगे। इसलिए, धन्यवाद," उन्होंने कहा। अवनी लेखरा, शीतल देवी, प्रीति पाल, राकेश कुमार, हरविंदर सिंह और नवदीप से लेकर कोच, फिजियो और मेंटल कंडीशनिंग कोच तक, सभी मौजूद थे और कहानियों, पर्दे के पीछे के पलों ने मोदी को उन सभी के साथ घुलने-मिलने का मौका दिया, क्योंकि हंसी, भावनाएं और साहस की कहानियां केंद्र में रहीं।

मोदी ने नवदीप का परिचय देते हुए कहा कि शीतल के अलावा उनकी सेलिब्रेशन रीलें काफी लोकप्रिय हो गई हैं। नवदीप ने कहा "सर मेरा इवेंट आखिरी दिन था। और मैं 21 [अगस्त] के आसपास पेरिस पहुंचा। इसलिए जैसे ही मेडल आने शुरू हुए, मुझे थोड़ी चिंता होने लगी कि सभी जीत रहे हैं, मेरा क्या होगा।

लेकिन सुमित, संदीप, अजीत और देवेंद्र सर जैसे वरिष्ठ एथलीट, मैंने उनसे एक-एक करके बात की और अनुभव प्राप्त किया कि वे कैसे करते हैं और मुझे शांत रहने के लिए क्या करना चाहिए। इसलिए जब तक मेरा इवेंट आया, मैं मुक्त मन से गया।"

12वें विरार नगर निगम मैराथन के लिए पंजीकरण शुरू

शहर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में वसई विरार सिटी नगर निगम के आयुक्त अनिल कुमार पवार ने पंजीकरण शुरू करने की घोषणा की। इस कार्यक्रम का आयोजन वसई विरार सिटी नगर निगम और वसई तालुका कला क्रीड़ा विकास मंडल द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में नई पहलों और परिवर्धन की घोषणा करने के साथ-साथ परिवार में नए भागीदारों का स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त नगर आयुक्त संजय हेरावाडे, मैराथन आयोजन समिति के प्रमुख समन्वयक प्रकाश वनमाली के अलावा कार्यक्रम के भागीदारों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

आयुक्त ने घोषणा की कि पंजीकरण इवेंट की वेबसाइट के माध्यम से किया जा सकता है। आयुक्त ने रनिंग क्लबों के लिए एक विशेष कार्यक्रम बैटल रन को फिर से शुरू करने की भी घोषणा की। वसई विरार नगर निगम मैराथन एकमात्र ऐसा आयोजन है जो विशेष रूप से रनिंग क्लबों के लिए

आयोजित किया जाता है और इस आयोजन में सर्वश्रेष्ठ पांच क्लबों को 3 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। हाफ मैराथन दूरी पर आयोजित होने वाले इस आयोजन में क्लब बैटल रन के लिए चार सदस्यीय टीमों को नामित कर सकते हैं, जिनमें एक महिला भी शामिल हो सकती है। केवल एक सदस्य 25 वर्ष से कम आयु का हो सकता है। शौकिया धावकों को लाभ पहुंचाने के लिए आयोजित बैटल रन में पुरुष और महिला दोनों भाग ले सकते हैं, जिनका समय क्रमशः 1.35 घंटे और 1.45 घंटे से कम है।

लगातार 12वें साल मैराथन का आयोजन "कन्या भ्रूण हत्या से बचें, प्रकृति का संतुलन बनाए रखें" नारे के साथ किया जाएगा।

शतरंज ओलंपियाड में भारत की शानदार शुरूआत, प्रज्ञानानंदा और वैशाली चमके

भारतीय पुरूष टीम ने 45वें शतरंज ओलंपियाड में शानदार शुरूआत करते हुए मोरक्को को 4-0 से हराया जबकि महिला टीम ने जमैका पर 3-5 0-5 से जीत दर्ज की। विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने पहले दौर से ब्रेक लिया है।

आर प्रज्ञानानंदा ने शुरूआत करते हुए तिसिर मोहम्मद को हराया। विदित गुजराती, अर्जुन एरिगेसी और पी हरिकृष्णा ने भी अपने अपने मुकाबले जीते। महिला वर्ग में आर वैशाली और तानिया सचदेव ने पहले टाइम कंट्रोल में ही जीत दर्ज कर ली जबकि दिव्या देशमुख को जीत के लिये पसीना बहाना पड़ा। वहीं वंतिका अग्रवाल ने ड्रॉ खेला। अन्य मुकाबलों में अमेरिका ने पनामा को 3-5 0-5 से हराया। ओपन वर्ग में 99 टीमों ने जीत के साथ शुरूआत करके दो दो अंक बनाये। प्रज्ञानानंदा ने मोरक्को के मोहम्मद को मात दी जबकि गुजराती ने ओखिर मेहदी पियरे को हराया। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज एरिगेसी ने भी जाक एलबिलिया के खिलाफ अपना मुकाबला मजबूती से जीता। हरिकृष्णा को अनस मोसियाद ने चुनौती दी लेकिन खेल की उनकी गहरी समझ प्रतिद्वंद्वी पर भारी पड़ी। पुरूष टीम अगले दौर में आइसलैंड से खेलेगी।

महिला वर्ग में वैशाली को एडानी क्लार्क के खिलाफ काले मोहरों से खेलते हुए कोई दिक्कत नहीं आई। डी हरिका को आराम दिया गया था।

घरेलू क्रिकेट में वापसी करते हुए इशान किशन ने जड़ा बेहतरीन शतक

दलीप ट्रॉफी के दूसरे राउंड में इशान किशन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बेहतरीन वापसी करते हुए एक बेहतरीन शतक जड़ा। अनंतपुर में इंडिया बी के खिलाफ उन्होंने सिर्फ.126 गेंदों में 111 रनों की प्रभावी पारी खेली। उनकी इस पारी की मदद से पहले दिन का खेल खत्म होने तक इंडिया सी की टीम ने पांच विकेट के नुकसान पर 357 रन बना लिए हैं।

हालांकि गौर करने वाली बात यह है कि 10 सितंबर को बीसीसीआई ने दलीप ट्रॉफी के लिए सभी टीमों में जिन बदलावों की घोषणा की थी, उसमें किसी भी टीम में किशन का नाम नहीं था। किशन मैच की पूर्वसंध्या पर इंडिया सी की टीम में शामिल हुए थे। एक तथ्य यह भी है कि पहले राउंड के दौरान सभी टीमों के लिए जिन खिलाड़ियों के नाम की घोषणा हुई थी, उसमें किशन इंडिया डी की टीम में नामित किए गए थे। हालांकि एक छोटी सी चोट के कारण वह पहले राउंड के मैच में शामिल नहीं हो पाए थे।

टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया सी की शुरूआत अच्छी नहीं रही और एंकल मुड़ जाने के कारण ऋतुराज गायकवाड़ रिटायर्ड हर्ट हो गए। हालांकि चोट गंभीर नहीं थी और वह बाद में बल्लेबाजी करने भी आए।

इसके बाद साई सुदर्शन और रजत पाटीदार के बीच 96 रनों की बेहतरीन साझेदारी हुई लेकिन रजत के आउट होने के तुरंत बाद सुदर्शन भी पवेलियन लौट गए।

एकबार के लिए ऐसा लगा था कि इंडिया बी के गेंदबाजों ने अच्छी वापसी कर ली है लेकिन फिर किशन और बाबा इंद्रजीत के बीच 189 रनों की एक बेहतरीन साझेदारी हुई, जिसमें किशन ने लगातार आक्रामक शॉट्स लगाए। साथ ही इंद्रजीत ने भी उनका भरपूर साथ दिया और 78 रनों की उपयोगी पारी खेली।

किशन ने अपने 111 रनों की पारी के दौरान कुल तीन सिक्सर और 11 चौके लगाए। प्रथम श्रेणी में यह उनका सातवां शतक था। किशन ने पिछले साल कोई घरेलू मैच नहीं खेला था। लेकिन इस साल घरेलू क्रिकेट खेलना किशन की योजनाओं में शामिल था और उन्होंने दलीप ट्रॉफी से पहले बुची बाबू टूनार्मेंट में भी झारखंड की तरफ से हिस्सा लिया और वह टीम की कप्तानी भी कर रहे थे। उस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश के खिलाफ एक बढ़िया शतक जड़ा था।

इंडिया बी की तरफ से मुकेश कुमार को तीन विकेट मिले, जबकि नवदीप सैनी और राहुल चाहर को एक-एक विकेट मिला। दिन का खेल खत्म होने तक ऋतुराज 46 और मानव सुथर 8 के निजी स्कोर पर बल्लेबाजी कर रहे थे।

आर्यना सबालेंका बनीं यूएस ओपन महिला एकल चैंपियन

आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। दूसरी वरीयता प्राप्त दिग्गज खिलाड़ी ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 53 मिनट तक चला।

दूसरे सेट में 3-0 से आगे चल रही सबालेंका को पेगुला की जोरदार वापसी का सामना करना पड़ा, जिन्होंने लगातार पांच गेम जीतकर तीसरे सेट पर लगभग कब्जा जमा लिया था। लेकिन सबालेंका ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की और अपनी पहली यूएस ओपन सिंगल्स ट्रॉफी जीती। दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका 2016 के बाद से एक ही सीजन में दोनों हार्ड-कोर्ट मेजर जीतने वाली पहली महिला बन गईं। इससे पहले यह रिकॉर्ड जर्मनी की एंजेलिक केर्बर के नाम था, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन दोनों खिताब जीते थे।

इस खिताब के साथ, सबालेंका को हार्ड कोर्ट और बड़े इवेंट की 'क्वीन' का ताज भी पहनाया जा सकता है। उनके पिछले दो प्रमुख खिताब ऑस्ट्रेलियन ओपन हार्ड कोर्ट पर जीते गए थे, जो इस साल

जनवरी में और 2023 में आयोजित हुए थे।

मेजर के अलावा, सबालेंका के 13 में से 11 खिताब हार्ड कोर्ट पर जीते गए हैं। नंबर 2 सीड ने लगातार 12 मैच हार्ड कोर्ट पर जीते हैं, दो हफ़्ते पहले उसने सिनसिनाटी ओपन जीता था। वहां, उन्होंने फाइनल में पेगुला को हराया था।

सबालेंका विश्व में दूसरे स्थान पर बनी रहेगी और क्वार्टर फाइनल में हारने के बावजूद इगा स्वीयाटेक अपना नंबर 1 स्थान बरकरार रखेंगी।

हालांकि पेगुला ट्रॉफी नहीं जीत पाईं, लेकिन अपने सर्वश्रेष्ठ मेजर इवेंट के बाद वह अपने करियर की नई उच्च डब्ल्यूटीए रैंकिंग हासिल करेंगी। अमेरिकी खिलाड़ी तीन पायदान ऊपर चढ़कर विश्व में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगी।

मेरा जीवन बहुत सामान्य है निकोल किडमैन

ऑस्कर विजेता अभिनेत्री निकोल किडमैन का कहना है कि उनकी जीवन शैली बहुत 'सामान्य' है। निकोल ने संगीतकार कीथ अर्बन से शादी की है।

किडमैन ने 'एक्स्ट्रा' से कहा "मेरा जीवन बहुत सामान्य है। मैं कल रात अभिभावक-शिक्षक (सम्मेलन) में रहूंगी।"

अभिनेत्री ने "द परफेक्ट कपल" में लीव श्रेइबर के साथ अभिनय किया था और उन्होंने 56 वर्षीय अभिनेता के साथ काम करने के अनुभव का आनंद लिया। उन्होंने कहा "मुझे उनके साथ काम करना पसंद है क्योंकि वह महान लोगों में से एक है।"

'फीमेलफर्स्ट डॉट को डॉट यूके' की रिपोर्ट के अनुसार, हॉलीवुड स्टार ने हमेशा सोचा था कि श्रेइबर इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त कलाकार हैं। उन्होंने शेयर किया, "मैंने कहा, 'तुम्हें मुझे लीव देने होंगे क्योंकि मुझे एक पति, एक सीन पार्टनर चाहिए, जिसके साथ मैं अभिनय कर सकूं, जो स्क्रिप्ट के साथ बहुत, बहुत गंभीर हो।'"

यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी बेटी उनकी अलमारी में जाती हैं? इस पर अभिनेत्री ने 'एंटरटेनमेंट टुनाइट' के साथ बातचीत में बताया कि कैसे उनकी बेटी उनकी अलमारी में उथल-पुथल करती है।

किडमैन ने इसके जवाब में कहा, वह वास्तव में ऐसा करती है। वह मेरी अलमारी में चली जाती है और मुझे ऐसा लगता है जैसे कोई बम उसमें गिर गया हो। वह वहां पागल हो जाती हैं। वह सिर्फ एक टी-शर्ट लेती है लेकिन उथल-पुथल मचा देती है।"

किडमैन नई इरॉटिक थ्रिलर फिल्म "बेबीगर्ल" में अभिनय कर रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि यह महिलाओं के लिए एक लिब्रेटिंग स्टोरी साबित होगी। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि फिल्म बनाना उन्हें बहुत ही "फ्रीइंग" अनुभव हुआ।

'लैला मजनू' के अच्छा प्रदर्शन न करने पर दिल टूट गया था : तृप्ति डिमरी

2018 में फिल्म "लैला मजनू" से अपनी शुरूआत करने वाली अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने बॉलीवुड में अपने छह साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि शुरूआत में इस फिल्म के अच्छा प्रदर्शन न करने के कारण मेरा दिल टूट गया था। अगस्त में फिल्म 'लैला मजनू' को दोबारा रिलीज किया गया और इसने अच्छी कमाई की। इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, 'जब लैला मजनू ने अपनी पहली रिलीज पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, तो मैं बहुत दुखी हो गई थी। लेकिन अब यह देखना अविश्वसनीय है कि लोगों ने इसे कैसे अपनाया।" साजिद अली द्वारा निर्देशित इस रोमांटिक ड्रामा को इम्तियाज अली ने प्रजेंट किया है। वहीं प्रीति अली, एकता कपूर और शोभा कपूर ने इसका निर्माण किया है। यह फिल्म 'लैला और मजनू' की कहानी है। तृप्ति डिमरी ने कहा, " मैं हर दिन प्रशंसकों से इस फिल्म के लिए तारीफ सुनती हूं। यह एक ऐसा प्रोजेक्ट था जिसमें हम सभी ने पूरे दिल से मेहनत की थी। यह फिल्म हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखेगी। मुझे उम्मीद है कि यह दुनिया भर के दिलों को छूती रहेगी और इसके लिए लोगों का प्यार कभी कम नहीं होगा।" अभिनेत्री तृप्ति डिमरी अब राजकुमार राव के साथ 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। वह कार्तिक आर्यन अभिनीत हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी "भूल भुलैया 3" में भी नजर आएंगी। इसके साथ ही वह "धड़क 2" में भी नजर आएंगी।

मल्लिका शेरावत को सता रही मुंबई की याद

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें बताया कि उन्हें शांत माहौल पसंद है फिर भी वो इन दिनों मुंबई को मिस कर रही हैं और इसकी वजह गणपति उत्सव को बताया।

लॉस एंजिल्स में रह रहीं अभिनेत्री ने घर का दौरा करते हुए एक रील शेयर की, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही है।

अभिनेत्री ने कहा, "मुझे शांत वीकेंड पसंद हैं, यह वीकेंड विशेष रूप से आराम करने, चिंतन करने और रिचार्ज करने का समय है, हालांकि मुझे मुंबई में घर पर गणपति उत्सव की बहुत याद आ रही है।"

इसके बाद मल्लिका ने बताया कि उन्हें इस त्यौहार में क्या पसंद है।

उन्होंने लिखा, "'गणपति बप्पा मोरया' की ऊर्जा, संगीत और भक्ति में कुछ खास बात है।"

मल्लिका अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी रोजमर्रा की जिंदगी के बारे में बताती रहती हैं। वह अपनी फिल्मों के सेट से पुरानी तस्वीरें भी पोस्ट करती रहती हैं और किस्से शेयर करती रहती हैं। फिटनेस शौकीन मल्लिका प्रशंसकों और फॉलोअर्स को अपने वर्कआउट के बारे में भी बताती रहती हैं।

मल्लिका ने 2002 में फिल्म "जीना सिर्फ. मेरे लिए" से सिनेमा में कदम रखा था। इस फिल्म में रीमा लांबा नाम से उन्होंने काम किया था।

असली पहचान 2004 की मर्डर से मिली। इमरान हाशमी अभिनीत रोमांटिक थ्रिलर "मर्डर" में उन्हें सेक्स सिंबल का खिताब मिला। इसके बाद अभिनेत्री को "हिस्स" और "पॉलिटिक्स ऑफ लव" जैसी फिल्मों में देखा गया।

उनकी फिल्मों में "ख्वाहिश", "बचके रहना रे बाबा", "प्यार के साइड इफेक्ट्स", "आप का सुरूर - द रियल लव स्टोरी", "वेलकम" और "किस किस की किस्मत" जैसी कई फिल्में शामिल हैं।

हाल ही में मल्लिका को रजत कपूर के निर्देशन मे बनी कॉमेडी ड्रामा "आरके/आरके" में देखा गया था। इस फिल्म में रणवीर शौरी, मनु ऋषि चड्ढा और कुब्रा सैत जैसे कलाकारों ने काम किया है।

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes